RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 साउथ मूवी के लिए जान्हवी ने...

वर्ष : 26 अंक : 58 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 18 फरवरी, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

सिपाही भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन, परीक्षा जारी

चेकिंग और बायोमिट्रिक के बाद मिला प्रवेश

लखनऊ (एजेंसी)। सिपाही भर्ती परीक्षा का आज दूसरा दिन है। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में दो पालियों में परीक्षा सम्पन्न होगी। पहली पाली में 10 बजे परीक्षा शुरू हो गई है। जिसके लिए सुबह साढ़े आठ बजे से ही लखनऊ सहित प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रारंभ हो गया है। अभ्यर्थियों को चेकिंग और बायोमिट्रिक के बाद प्रवेश दिया गया। इस दौरान सुरक्षा के चाकचौबंद प्रबंध दिखें।

परीक्षा का आयोजन उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा प्रदेश के 2378 केंद्रों पर कराया जा रहा है। परीक्षा के पहले दिन यूपी एसटीएफ व पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में विभिन्न जिलों से सेंधमारी की कोशिश में 122 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

परीक्षा को लेकर पहले से मुस्तैद सुरक्षा एजेंसियों ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी 26 नकल माफिया को गिरफ्तार किया था। इस प्रकार अब तक 148 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। परीक्षा के पहले दिन प्रदेश भर में 90 फीसदी से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की बात कही जा रही है।

पुलिस ने बताया कि नकल की कोशिश में लगे लोगों के पास से पास से भारी संख्या में नकल सामग्री, माइक्रोफोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, कूट रचित मुहर, फर्जी एडमिट कार्ड, विभिन्न बैंकों के चेक, शैक्षिक प्रमाणपत्र, मोबाइल फोन, फर्जी आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर कार्ड, पैन कार्ड एटीएम कार्ड आदि बरामद किया गया। लाखों की नकदी भी जब्त की गई है। यह राशि अभ्यर्थियों से नकल कराने के एवज में वसूली गई थी।

पहले इन इन जिलों में हुई गिरफ्तारी

प्रयागराज 15, एटा 15, जौनपुर 11, मऊ 9, सिद्धार्थनगर 9, गाजीपुर 8, गोरखपुर 8, कानपुर 7, आजमगढ़ 7, वाराणसी 4, बरेली 4, फिरोजाबाद 4, कौशांबी 3, हाथरस 3, संत कबीरनगर 2, झांसी 2, आगरा 2, बिजनौर 2, मैनपुरी 2, बलिया 1, लखनऊ 1, देवरिया 1, मुरादाबाद 1, भदोही 1 और बहराइच 1।

यूपी पुलिस परीक्षा : गौतमबुद्ध नगर में 32 केंद्रों में 31 हजार अभ्यर्थियों ने दिए एग्जाम

नोएड (चेतना मंच)।

गौतमबुद्धनगर में चल रही यूपी पुलिस कांस्टेबल की परीक्षा में पुलिस विभाग के द्वारा कड़े इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा में 32 केंद्रों में करीब 31,384 छात्रों ने पेपर दिए। जिनमें से 95 प्रतिशत में दोनों पालियों मेंडु पहुंचकर परीक्षा दी। वहीं, आज 32 केंद्रों में 31 हजार अभ्यार्थी एग्जाम देंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ.धर्मवीर सिंह ने बताया कि प्रथम पाली सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित हुई। इसमें 15982 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 14963 अभ्यर्थियों ने केंद्र पर पहुंचकर परीक्षा दी और 827 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली तीन से पांच बजे तक आयोजित हुई। इसमें भी 15972 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 14699 ने परीक्षा दी, वहीं परीक्षार्थी 1093 विभिन्न कारणों से अनुपस्थित रहे।

परीक्षा को संपन्न कराने के लिए 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 32 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 32 केंद्र व्यवस्थापक और 32 सहायक केंद्र व्यवस्थापक के साथ 32 परीक्षा सहायक की ड्यूटी लगाई गई थी। परीक्षा में किसी भी प्रकार की कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए 50 प्रतिशत बाहरी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गयी है।

शनिवार को हुई पहली परीक्षा

ऐसे में भंगेल स्थित कन्या इंटर कॉलेज और नोएडा एजुकेशनल एकेडमी स्कूल में शनिवार को हुई परीक्षा में एक हजार अभ्यार्थियों ने एग्जाम दिए। सुरक्षा को लेकर पुलिस भी मौजूद रही। वहीं, अभ्यर्थियों के साथ साथ परिजनों के होने से ट्रैफिक भी लगा रहा। हालांकि, साइबर सैल से लेकर लोकल पुलिस और टीचरों की मेहनत से पहले दिन एग्जाम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अयोध्या में रामलला के दर्शन

आज नोएडा से अयोध्या जाने के लिए बसों में सवार है भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, गिरिजा सिंह, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, पूर्व महानगर अध्यक्ष योगेंद्र चौधरी, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष योगेंद्र चौधरी, चमन अवाना गिरीश कोटनाला, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश पहलवान, पूर्व महानगर अध्यक्ष जुगराज चौहान, युद्ध वीर चौहान, अशोक मिश्रा, वरिष्ठ नेत्री पूनम सिंह चौहान, नरेश शर्मा, राकेश शर्मा आदि कई पदाधिकारी आज अयोध्या के लिए भाजपा ने 20 बसों में बैठाकर कार्यकर्ताओं को लेकर अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए ले जा रही है। कल सभी लोग दर्शन करके वापस नोएडा लौट आएंगे।

देश के लोकतंत्र को खत्म कर रही INDI गठबंधन : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी के राष्ट्रीय अधिवेशन का आज दूसरा दिन है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 75 साल में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखें हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, INDI गठबंधन और कांग्रेस पार्टी इस देश के लोकतंत्र को खत्म कर रही है। उन्होंने देश के लोकतंत्र को भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण, जातिवाद से रंग दिया। परिवारवादी पार्टियां इस तरह की लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं करने में लगी रही कि कभी भी जनमत स्वतंत्र रूप से उभर कर न आए। पीएम मोदी ने 10 साल में भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण और जातिवाद को समाप्त कर विकास किया।

अमित शाह ने राष्ट्रीय अधिवेशन में कहा कि 75 सालों में देश में हर सरकार ने अपने समय पर समयानुकूल विकास करने का प्रयास किया है, लेकिन आज मैं

बिना किसी कन्फ्यूजन के कह सकता हूं कि समग्र विकास, हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल पीएम मोदी के 10 वर्षों में हुआ है।

अमित शाह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा– राजनीति में INDI गठबंधन का मकसद क्या है? पीएम मोदी आत्मनिर्भर भारत, 2047 के भारत का लक्ष्य रखते हैं। सोनिया गांधी का लक्ष्य राहुल गांधी को पीएम बनाना, पवार साहब का लक्ष्य बेटी को सीएम बनाना, ममता दीदी का लक्ष्य भतीजे को सीएम बनाना, स्टालिन का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना, लालू यादव का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना, उद्धव ठाकरे का लक्ष्य बेटे को सीएम बनाना और मुलायम सिंह यादव तो बेटे को ष्टरू बनाकर ही गए। जिनका लक्ष्य परिवार के लिए सत्ता हथियाना हो वह क्या गरीब का कल्याण करेगा?

अमित शाह ने कहा, इस अधिवेशन के बाद 2047 का भारत कैसा होगा इसका मोदी का संदेश लेकर हम हर चुनाव क्षेत्र में जाएंगे। पूरे देश में कही संशय नहीं है, देश ने तय किया है कि मोदी ही फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

शाह ने कहा– मैं आज आप सबके माध्यम से भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि अगले चुनाव में दो खेमें आमने-सामने हैं। एक तरफ है नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में NDA का गठबंधन और दूसरा है कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवारवादी पार्टियों का घमंडिया गठबंधन। ये घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का पोषक है और भाजपा एवं NDA गठबंधन राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाला गठबंधन है।

ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी में पानी का बड़ा संकट

खुली प्राधिकरण के झूठे दावों की पोल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सोसाइटी, गांव और कॉलोनियों में पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में करीब 10 दिन से छह ट्यूबवेल मोटर खराब पड़ी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की जल विभाग वाली टीम निवासियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है, जिसकी वजह से लोगों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गंगाजल की सप्लाई करीब 2 महीने से बंद है। लोग गंदा पानी पीने को मजबूर है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित एक गांव में रहने वाले जितेंद्र अग्रवाल का कहना है कि करीब 8 दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है। गांव के अलावा सेक्टर और सोसाइटी में भी पानी की किल्लत है। इसकी शिकायत ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी से की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। उल्टा प्राधिकरण के द्वारा पानी के बल पर हर साल 10प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती है।

पतवाड़ी गांव में रहने वाले प्रधान टीकम सिंह का कहना है कि काफी बार पानी की समस्या को लेकर सीईओ रवि कुमार एजी से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक चिट्ठी भेजी गई, लेकिन अधिकारी इस बात को दबाने का प्रयास करते हैं और वह इसमें कामयाब भी हो जाते हैं। लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों का कहना है कि करीब 2 महीने से समस्या बनी हुई है। पानी की किल्लत की वजह से काफी लोग बीमार भी हो गए हैं। लोग गंदा पानी पीने के लिए मजबूर है। सोसाइटी में बाहर से पानी मंगाया जा रहा है।

शहर के विकास कार्य की सीईओ ने की समीक्षा

लापरवाही बरतने पर ब्रिज कॉर्पोरेशन पर पेनल्टी, दो का रोका वेतन, थीम पार्क का हुआ प्रेजेंटेशन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के डीएससी रोड पर निर्माणाधीन मंगेल एलिवेटेड रोड परियोजना की समीक्षा की गई। ठेकेदार कंपनी उप्र राज्य सेतु निगम द्वारा पूर्व में बताई गई कमियों को दूर नहीं किया गया। जनवरी में टारगेट अचीव नहीं किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने संस्था पर पेनल्टी लगाने और परियोजना में बरती जा रही लापरवाही के संबंध में शासन को पत्र भेजने के लिए निर्देशित किया। दरअसल, सीईओ ने शनिवार को नोएडा के विकास कार्यो की समीक्षा की। इस दौरान एसीईओ और डीजीएम मौजूद व सभी खंडों के एसएम मौजूद रहे।

सीईओ ने सेक्टर-96 में निर्माणाधीन प्रशासनिक भवन के कार्य प्रगति समीक्षा की। इस संबंध में निर्देशित किया गया कि नये प्रशासनिक भवन में सीईओ का चैंबर प्रथम तल पर बनाया जाए, जिससे कि प्राधिकरण में आने वाले जनमानस को अधिक असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त भवन परिसर में दिव्यांगजनों की आवश्यकतानुसार रैंप का भी प्रावधान आवश्यक रूप से किया जाए।

सेक्टर-151ए में निर्माणणीधीन गोल्फ कोर्स में अब तक किए गए खर्च का ब्यौरा मांगा। साथ ही पुराने गोल्फ कोर्स की तरह इसे भी बनाने का निर्देश दिया।

सभी बिल्डरों को एंटी स्मॉग गन के लिए जारी किया जाए नोटिस

अक्सर देखा गया कि बिल्डर की ओर से निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन वहां पर एंटी स्मॉग नहीं लगी है। लगी भी है तो प्रॉपर रूप से काम नहीं कर रही है। नियोजन विभाग की ओर से संमन्वय स्थापित करते हुए बिल्डरों को नोटिस जारी किया जाए। वहीं पार्क में सौंदर्यीकरण के लिए फ्लैम टाइप फाउंटेन लगाए जाए।

अवर अभियंता और उद्यान निरीक्षक का रोका गया वेतन

बैठक में संज्ञानित हुआ कि वेदवन के समीप रोड पर जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा साफ-सफाई की स्थिति खराब है। जिसके संबंध में संबंधित अवर अभियन्ता का वेतन रोकने की कार्यवाही की जाए। इसके अतिरिक्त सेक्टर-44 में ग्रीन बेल्ट में अव्यवस्था पाये जाने के दृष्टिगत सम्बन्धित उद्यान-निरीक्षक का वेतन रोका जाए। शहर में प्रस्तावित दो एनिमल शेल्टर के लिए तेजी से कागजी काम पूरा कर निर्माण कराया जाए।

नए विकसित किए जाने वाले पार्को का किया गया प्रस्तुतीकरण

सेक्टर-167 में 29 एकड़ क्षेत्रफल में सौरमण्डल थीम पर आधारित पार्क में झील, तालाब विकसित किए जाने की परियोजना का प्रस्तुतिकरण किया गया। जिसपर सहमति व्यक्त की गई। साथ ही निर्देशित किया गया कि उक्त झील में वाटर फ्लो एवं फिल्ट्रेशन का समुचित प्रबन्धन किया जाए। बैठक के दौरान बायोडायवर्सिटी पार्क के सौन्दर्याकरण से सम्बन्धित प्रस्तुतिकरण दिया गया। इसके अलावा नलगढ़ा में स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित पार्क विकसित किये जाने पार्क का प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसकी मौखिक सहमति प्रदान की गई। वाईआरएफ पार्क में पुष्करणी तालाब विकसित किया जाए।

सेक्टर-51 एवं 52 मेट्रो स्टेशन के बीच निर्माणाधीन फुटओवर ब्रिज स्काईवॉक के निर्माण के संबंध में अवगत कराया गया कि यहां ट्रैवलेटर की आपूर्ति न होने के कारण परियोजना पर कार्य बाधित है। इस संबंध में विद्युत/यांत्रिकी विभाग को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। चिल्ला एलिवेटेड रोड परियोजना की समीक्षा के दौरान संज्ञानित हुआ कि उप्र राज्य सेतु निगम के स्तर पर आमंत्रित निविदाओं में प्रतिभागी निविदाकारों की दरें अत्यधिक होने के कारण नेगोशिएशन किया जा रहा है।

एक्सप्रेस-वे पर प्रस्तावित दो अंडरपासों की स्थिति का संज्ञान लिया गया, जिसमें एक सप्ताह में डीपीआर और बजट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। सेक्टर-62 स्थित बस टर्मिनल को उपयोगी बनाये जाने नए आईडिया लाए जाए। जिससे उक्त बिल्डिंग का सकारात्मक उपयोग भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही प्राधिकरण को आवश्यक राजस्व की भी प्राप्ति हो सके।

प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि नोएडा में बनाए जा रहे फुटपाथ पर रैम्प अथवा सीढ़ी इत्यादि बनाए। ये काम एक सप्ताह में पूरा किया जाएगा इसके अलावा फुटपाथ की ऊंचाई को भी पिपुल फ्रेंडली होनी चाहिए। दिल्ली की लोधी रोड की तर्ज पर नोएडा में भी उक्त प्रकार का एक रोड विकसित की जाए। उद्योग मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित करने की परियोजना की समीक्षा की गई, जिसके सम्बन्ध में परियोजना की लागत, तकनीक इत्यादि का अध्ययन करने के लिए कहा गया।

नियुक्ति के नाम पर लाखों की ठगी

गाजियाबाद (चेतना मंच)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की एटीएस एडवांटेज सोसायटी में रहने वाले रामानुज मुब्बाला ने इंदिरापुरम थाने में शिकायत देते हुए बताया कि उनके साथ नीरज सूद और सुरेंद्र बाबू ने धोखाधड़ी कर 63 लाख रुपये वसूल लिए हैं। उन्होंने बताया कि नीरज सूद ने भारतीय खाद्य निगम में तेलंगाना क्षेत्र का सलाहकार समिति सदस्य नियुक्त करने के एवज में उनसे 16 लाख रुपये की मांग की। जिसके बाद उन्होंने अपने मित्र कृष्ण कुमार से 16 लाख रुपये उधार लेकर नीरज सूद को दे दिए। नीरज सूद ने अपने साथी सुरेंद्र बाबू के साथ मिलकर उनसे दो लाख रुपये और मांगे जोकि उन्हे ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए गए। कुल 18 लाख रुपये दिए जाने के बाद उन्हे एक नियुक्ति प्रमाण पत्र दिया गया। नियुक्ति पत्र प्रिंसिपल सेक्रेटरी अमित कुमार द्वारा जारी किया गया था। जब इस बारे में रामानुज के द्वारा ऑफिस जाकर पता किया गया तो उन्हें वहां अमित कुमार मिले।

फिर हादसा

किसी कारखाने में आग लगने या अन्य हादसे की स्थिति में बचाव के पर्याप्त इंतजाम हैं या नहीं, उसमें प्रवेश करने और बाहर निकलने के रास्ते सुरक्षित और सहज हैं या नहीं, इसे लेकर कारखानों के मालिक व्यापक पैमाने पर लापरवाही बरतते हैं। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि उसके बाद ऐसे इंतजाम हों, जिससे उस तरह की घटना फिर न हो। मगर ऐसा लगता है कि न तो प्रशासन को इस पर गौर करने की जरूरत लगती है और न ही कारोबारियों से लेकर आम लोगों को यह सोचने की जरूरत लगती है कि मामूली लापरवाही की कीमत क्या हो सकती है। दिल्ली के अलीपुर में रिहाइशी इलाके में चल रहे एक पेंट के कारखाने में जिस तरह आग लगी और उसमें ग्यारह लोगों की जान चली गई, वह एक बार फिर यह बताने के लिए काफी है कि हर स्तर पर लापरवाही एक अघोषित व्यवस्था के रूप में चल रही है और उस पर लगाम लगाने की जरूरत किसी को नहीं महसूस होती। इस तरह के किसी भी कारखाने में कई बार ऐसे रसायन और अन्य सामान रखे होते हैं, जो आग लगने और अन्य हादसों के लिहाज से बेहद संवेदनशील होते और किसी भी वक्त बड़ी तबाही का कारण बन सकते हैं। मगर आम लोगों की रिहाइश के बीच ऐसा कारखाना चलाने वालों को सिर्फ अपने मुनाफे से मतलब होता है। विडंबना है कि सभी की आंखें तब खुलती हैं, जब किसी मामूली कोताही की वजह से भयावह हालात पैदा हो जाते हैं, नाहक ही लोगों की जान चली जाती है। वरना हादसे से पहले अग्नि शमन विभाग या अन्य संबंधित महकमों को किसी तरह की जांच करके गैरकानूनी तरीके से चल रहे कारखानों के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करना जरूरी नहीं लगता या फिर मिलीभगत की वजह से हादसों की बड़ी वजहों की भी अनदेखी कर दी जाती है। किसी कारखाने में आग लगने या अन्य हादसे की स्थिति में बचाव के पर्याप्त इंतजाम हैं या नहीं, उसमें प्रवेश करने और बाहर निकलने के रास्ते सुरक्षित और सहज हैं या नहीं, इसे लेकर कारखानों के मालिक व्यापक पैमाने पर लापरवाही बरतते हैं। वहीं प्रशासनिक अमला समय-समय पर जांच-प?ताल करके अवैध इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करने या फिर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित कराने को लेकर कई वजहों से आंखें मूंदे रहता है। नतीजतन, अक्सर ऐसे हादसे सामने आते रहते हैं, जिनमें लापरवाही की कीमत नाहक ही आम लोगों को अपनी जिंदगी गंवा कर चुकानी पड़ती है।

चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के बीच शुरू हो गया है शह-मात का खेल

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घो? ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरुआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड़ कर

दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वहीं पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही हैं। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। 'अभी नहीं तो कभी नहीं।' दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होंगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घो ?ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है। इसकी चाल को समझना आवश्यक है। वैसे मंत्री या वजीर सबसे शक्तिशाली मोहरा होता है, क्योंकि यह आगे-पीछे, आरे-तिरछे, अगल-बगल अपनी मर्जी एवं सुविधा से, कई घरों तक आ-जा सकता है। वैसे खेल तो प्यादों से शुरू होता है। आगे वे ही बढ़ते हैं। आक्रमण एवं सुरक्षा, दोनों की रणनीति, उनकी चाल को ध्यान में रख कर बनाई जाती है। सबसे बड़ी बात है कि आगे बढ़ते हुए वे आवश्यकतानुसार मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी कुछ भी बन सकते हैं। उनके महत्व को कम करके नहीं देखा जा सकता। भाजपा के पास विपक्षी दलों की तुलना में ऐसे मंत्री, घोड़ा, ऊँट, हाथी सब है। जबकि विपक्षी दल अपनी कुचालों से इन सबको खोते जा रहे हैं। यह सही है कि सहयोगियों के गठबंधन छोड़ने की शुरुआत भी एनसीपी में पड़ी फूट के बाद से ही हो गई थी, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पलटना इस अर्थ में निर्णायक कहा जा सकता है कि वही गठबंधन के सूत्रधार की भूमिका निभा रहे थे। उन्हें अपनी ओर खींचकर भाजपा और एनडीए ने विपक्षी दलों के विशाल गठबंधन से बनते नैरेटिव को जबर्दस्त झटका दिया। इस झटके से उबरने की कोशिशें ढंग से शुरू होतीं, उससे पहले ही पश्चिम यूपी के जाट बहुल इलाके में दखल रखने वाले आरएलडी नेता जयंत चौधरी ने भी पाला बदल लिया।

निश्चित रूप से इन सब शतरंजी चालों के पीछे एनडीए की तरफ से हो रहे सुनियोजित प्रयासों की भूमिका है। लेकिन इंडिया गठबंधन खेमा जिस तरह से बिखर रहा है, उसका पूरा श्रेय एनडीए की कोशिशों को नहीं दिया जा सकता। इसकी काफी जिम्मेदारी विपक्षी दलों के नेताओं को भी अपने सिर पर लेनी होगी। विपक्षी दलों का मंच इंडिया गठबंधन पिछले साल मुश्किलों के बीच जिस तरह से बना और फिर जितनी तेजी से इसने उम्मीदें जगानी शुरू कीं, उतनी ही तेजी से उन उम्मीदों को ध्वस्त भी करता जा रहा है। भाजपा की शतरंज पर बिछी बिसात का अहम हिस्सा नंबर से आगे जाकर पूरे देश में ऐसा माहौल बनाना है जिससे लोगों में उसके लिये अधिकतम स्वीकार्यता का भाव आये। मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिये राष्ट्रीय एकता, नया भारत, सशक्त भारत का सन्देश अहम है। राजनीतिक चारित्रिक उज्ज्वलता, ईमानदारी और नैतिकता शतरंज की चालें नहीं मानवीय मूल्य हैं। अत: नीति ही राजा, नीति ही मोहरें और नीति ही चालें हो।

-ललित गर्ग
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे काक! सुन, मुझे भक्त निरंतर प्रिय हैं, ऐसा विचार कर शरीर, वचन और मन से मेरे चरणों में अटल प्रेम करना॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अब सुनु परम बिमल मम बानी। सत्य सुगम निगमादि बखानी॥
निज सिद्धांत सुनावउँ तोही। सुनु मन धरु सब तजि भजु मोही॥
अब मेरी सत्य, सुगम, वेदादि के द्वारा वर्णित परम निर्मल वाणी सुन। मैं तुझको यह 'निज सिद्धांत' सुनाता हूँ। सुनकर मन में धारण कर और सब तजकर मेरा भजन कर॥

बमम माया संभव संसारा। जीव चराचर बिबिधि प्रकारा॥
सब मम प्रिय सब मम उपजाए। सब ते अधिक मनुज मोहि भाए॥
यह सारा संसार मेरी माया से उत्पन्न है। (इसमें) अनेकों प्रकार के चराचर जीव हैं। वे सभी मुझे प्रिय हैं, क्योंकि सभी मेरे उत्पन्न किए हुए हैं। (किंतु) मनुष्य मुझको सबसे अधिक अच्छे लगते हैं॥

तिन्ह महँ द्विज द्विज महँ श्रुतिधारी। तिन्ह महुँ निगम धरम अनुसारी॥
तिन्ह महँ प्रिय बिरक्त पुनि ग्यानी। ग्यानिहु ते अति प्रिय बिग्यानी॥
उन मनुष्यों में द्विज, द्विजों में भी वेदों को (कंठ में) धारण करने वाले, उनमें भी वेदोक्त धर्म पर चलने वाले, उनमें भी विरक्त (वैराग्यवान) मुझे प्रिय हैं। वैराग्यवानों में फिर ज्ञानी और ज्ञानियों से भी अत्यंत प्रिय विज्ञानी हैं॥

तिन्ह ते पुनि मोहि प्रिय निज दासा। जेहि गति मोरि न दूसरि आसा॥
पुनि पुनि सत्य कहउँ तोहि पाहीं। मोहि सेवक सम प्रिय कोउ नाहीं॥
विज्ञानियों से भी प्रिय मुझे अपना दास है, जिसे मेरी ही गति (आश्रय) है, कोई दूसरी आशा नहीं है। मैं तुझसे बार-बार सत्य (निज सिद्धांत) कहता हूँ कि मुझे अपने सेवक के समान प्रिय कोई भी नहीं है॥

भगति हीन बिरंचि किन होई। सब जीवहु सम प्रिय मोहि सोई॥
भगतिवंत अति नीचउ प्रानी। मोहि प्रानप्रिय असि मम बानी॥
भक्तिहीन ब्रह्मा ही क्यों न हो, वह मुझे सब जीवों के समान ही प्रिय है, परंतु भक्तिमान अत्यंत नीच भी प्राणी मुझे प्राणों के समान प्रिय है, यह मेरी घोषणा है॥

क्रमशः

यह हिंदुत्व के नव उल्लास का दौर चल रहा है

राममंदिर आंदोलन के उफान के दिनों में विश्व हिंदू परिषद ने एक नारा दिया था, अभी तो ये झांकी है, काशी-मथुरा बाकी है। सेकुलर जमात समेत राममंदिर के तमाम विरोधी संघ परिवार को निशाना बनाने के लिए इस नारे को भी जरिया बनाते थे। राम भक्तों को उम्मीद तो थी कि एक न एक दिन उनके आराध्य राम का मंदिर जरूर बनेगा, लेकिन उसके जल्द साकार होने की उम्मीद नहीं थी। जब राममंदरि के ही जल्द बनने की गुंजाइश नहीं दिखती थी, तब काशी और मथुरा के देवस्थानों की मुक्ति का सपना भी दूर की कौड़ी लगता था। बीती 22 जनवरी को राम मंदिर साकार हो चुका है, काशी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो चुका है और वहां के तलघर स्थित व्यास मंदिर की पूजा-अर्चना की न्यायिक राह भी खुल गई है। इन घटनाओं से उम्मीद बढ़ चली है कि जल्द ही काशी का विश्वेश्वर मंदिर भी मध्यकालीन आक्रांता के क्रूर निशानों से मुक्त हो जाएगा। इसी तरह मथुरा की कृष्ण जन्मभूमि पर अवैध कब्जे पर न्यायिक सुनवाई जारी है।

बदले हालात में सेकुलरवादी खोल में गंग-जमुनी संस्कृति की धारा बहाते रहे इतिहासकारों के सुर भी बदलने लगे हैं। खुले तौर पर ऐतिहासिक तथ्यों को स्वीकार करने के उहापोह से और बौद्धिक बेईमानी से वे बाहर निकलने लगे हैं। वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब खुलेआम स्वीकार कर चुके हैं कि मध्यकाल में काशी, मथुरा और अयोध्या पर मुगल आक्रांताओं ने कब्जा किया था। वैसे इसे स्वीकार करने के लिए उन्हें विशेष रूप से अयोध्या और वाराणसी में मिले पुरातात्विक साक्ष्य और प्रमाण ने भी मजबूर किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर अयोध्या की जब पुरातत्व सर्वेक्षण ने खुदाई की तो वहां मंदिर होने के अकाट्य प्रमाण मिले।

इसी तरह वाराणसी की सत्र अदालत के निर्देश पर जब ज्ञानवापी मंदिर का पुरातात्विक सर्वेक्षण हुआ तो वहां भी शिवलिंग मिला, हिंदू मंदिर के भित्ति चित्र मिले, मस्जिद की दीवारों पर सनातनी आस्था के प्रतीक मिले। इन तथ्यों के आलोक में कोई निर्लज्ज इतिहासकार ही होगा, जो मध्यकालीन आक्रांताओं के क्रूर आक्रमणों और कब्जे को नकार पाएगा। इतिहासकारों के अनुसार, अकेले औरंगजेब के ही राज में देश के एक हजार मंदिर तोड़े गए। औरंगजेब का शासन 1658 से 1707 यानी कुल 9 साल रहा। अपने शासनकाल में औरंगजेब ने मंदिरों को तोड़ा और उनकी जगहों पर मस्जिदें बनवाईं। काशी की ज्ञानवापी और मथुरा की मस्जिद औरंगजेब के हिंदुत्व विरोधी कार्य की देन है। वैसे तोड़े गए मंदिरों की संख्या को लेकर इतिहासकारों की एक राय नहीं है। लेकिन उनका मानना है कि हजारों मंदिर तोड़े गए।

राममंदिर बन चुका है। साल 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद इस विवाद का अंत हुआ। वैसे हमें याद रखना चाहिए कि अयोध्या के राममंदिर को 1528 में बाबर के सेनापति मीर बकी ने तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी। जिस ज्ञानवापी मंदिर को लेकर इन दिनों चर्चा है, उसके बारे में कहा जाता है कि काशी का विश्वनाथ मंदिर प्राचीन काल से ही है। इतिहासकारों के अनुसार, 1100 ईसा पूर्व राजा हरिश्चंद्र और फिर सम्राट विक्रमादित्य ने इसका जीर्णोद्धार कराया था। जिसको 1194 में मुहम्मद गौरी ने लूटा और उसे तोड़ दिया। बाद में इसे हिंदू राजाओं ने बनवाया, लेकिन 1447 में जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने इसे फिर तोड़ दिया। फिर 1585 ई. में राजा टोडरमल की मदद से पं. नारायण भट्ट ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। 1632 में इसे तोड़ने के लिए शाहजहां ने सेना भेजी, लेकिन भारी विरोध की वजह से मंदिर नहीं तोड़ा जा सका। लेकिन यहां के 63 मंदिर तोड़ दिए गए। औरंगजेब ने सत्ता संभालने के बाद 18 अप्रैल 1669 को मंदिर पर आक्रमण बोला और उसे तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई। बाद में 1777 से 80 के दौरान महारानी अहिल्याबाई होलकर ने मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।

मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। इतिहासकारों के मुताबिक, औरंगजेब ने यहां बने प्राचीन केशव मंदिर को तोड़कर उसी जगह 1660 ईस्वी में शाही ईदगाह मस्जिद बनवाई। इस पर कब्जे को लेकर 1770 में गोवर्धन में मुगल और मराठा सेनाओं की भिड़ंत हुई, जिसमें इसमें मराठाओं की जीत हुई। विजय के बाद मराठा लोगों ने फिर से यहां मंदिर बनवाया। लेकिन मस्जिद का एक हिस्सा कायम रहा। अब इसको लेकर भी न्यायिक सुनवाई शुरू हो चुकी है। इसी तरह गुजरात के सोमनाथ मंदिर को भी पहले गजनवी ने लूटा और तोड़ा। जिसका आजादी के फौरन बाद सरदार पटेल की पहल पर जीर्णाद्धार हुआ। राम मंदिर के लिए करीब साढ़े चार सौ साल तक संघर्ष चला। कई बार खून बहा। आजाद भारत में भी कम से कम तीन बार राममंदिर के लिए खून बहा। लेकिन उसके विवाद को सुलझाने की राह न्यायिक मंदिर से निकली। हालांकि यह तथ्य भी स्वीकार करने से गुरेज नहीं होना चाहिए कि अगर छह दिसंबर को बाबरी ढांचा गिराया नहीं गया होता तो शायद न्यायिक राह भी इस तरह नहीं खुलती। लेकिन राममंदिर विवाद के पटाक्षेप में जिस तरह न्याय के मंदिर ने भूमिका निभाई है, उससे ही उम्मीद बनी है कि मथुरा और ज्ञानवापी के विवाद को सुलझाने और मध्यकालीन आक्रांताओं की निशानी को दूर करने में अदालत की मददगार होगी।

ज्ञानवापी के सर्वे के बाद मिले साक्ष्यों के बाद यह आशा और बलवती ही हुई है। कृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर जिस तरह सुनवाई आगे बढ़ रही है, उससे लगता है कि जल्द ही मथुरा में कान्हा की किलकारी की अनुगूंज सुनाई देगी, कृष्णलीलाओं वाला मंदिर यहां मूर्त होगा और भक्तों को कान्हा लुभाने लगेंगे। इतिहासकार इरफान हबीब ने भले ही यह स्वीकार कर लिया हो कि मध्यकाल में मुगलों ने हिंदू मंदिरों को तोड़ा, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी वे नहीं रूके कि पांच सौ साल पुराने विवाद को सुलझाने के लिए तोड़े गए मंदिर को वापस देने से विवाद ही बढ़ेगा। यानी एक तरह से हबीब जैसे सेकुलर जमात के लोग भावी विवाद और संघर्ष को थामने के साथ ही मुस्लिम समुदाय के अधिकारों को संरक्षित करने की बौद्धिक कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहनराव भागवत इन दिनों बार-बार कह रहे हैं कि काशी, मथुरा और अयोध्या की पुनर्स्थापना के बाद हिंदू समुदाय को अतीत के बाकी विवादों को भूल जाना चाहिए। सामाजिक समभाव के लिए यह विचार भले ही जरूरी हो, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि राममंदिर और काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरूद्धार के बाद देशभर में मुगलों द्वारा तोड़े गए मंदिरों के उद्धार की भावना बलवती हो सकती है। जिन मंदिरों की जगह पर मस्जिदें खड़ी हैं, उनके खिलाफ भी जनमानस का दबाव बढ़ेगा। इतिहासकारों के लिखे शब्दों में उन मंदिरों का रिकॉर्ड दर्ज भले ही ना हो, लेकिन श्रुति परंपरा में गांव-गांव तक हिंदू मंदिरों पर बनी मस्जिदों की कहानियां लोक स्मृति में पैठी हुई हैं। उन्हें भुला पाना सामूहिक स्मृतियों के लिए आसान नहीं होगा। इसलिए यह तय मानिए कि जबरिया तोड़े गए मंदिरों की आवाज गांव-गांव से उठेगी। इससे संघर्ष का नया दौर भी शुरू हो सकता है। अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद जिस तरह लोकभावना का ज्वार उमड़ा पड़ा है, उससे हिंदुत्व की अलग तरह की धारा बह रही है। जिसमें जातियों के विभाजन की लकीर धुंधली पड़ गई है। राम के नाम पर जाति और वर्ग का बंटवारा कमजोर पड़ा है। साफ है कि राम की धारा बह रही है। वैसे राम की कोई अलग धारा नहीं है, जो राम की धारा है, वही कृष्णराग भी है

और शिव का तांडव भी। सनातनी संस्कृति में राम, कृष्ण और शिव एक ही हैं। समाजवादी राममनोहर लोहिया तो हिंदुत्व की इन तीनों धाराओं का अपने ढंग से सांस्कृतिक विवेचन कर चुके हैं और इस बहाने हिंदू समाज और सनातनी संस्कृति के एकत्व की उन्होंने व्याख्या की है। हिंदुओं की लोक स्मृति में हजारों-हजार साल से एकत्व की यह धारा कायम है। इसका नव जागरण होना स्वाभाविक है। नवजागरण की यह धारा हिंदुत्व के नव उत्साह का प्रतीक है। इसके जरिए अगर गांव-गांव पुनरूद्धार की सोच विकसित हो तो उसे कौन रोक पाएगा। भक्ति और आस्था के दीवानों को भला कोई वक्त रोक पाया है। ऐसे में काशी और मथुरा भी जल्द मुक्त हो जाएं तो आश्चर्य कैसा?

-उमेश चतुर्वेदी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

राशिफल

माघ शुक्ल अष्टमी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यावसायिक लाभ, पिता का साथ, स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा, रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा, स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं, चोट-चपेट लग सकती है, किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आनंदित रहेगा। जीवन, स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम-संतान की स्थिति लगभग ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे, रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा, प्रेम-संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक होकर मत निर्णय लीजियेगा, महत्त्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि,भवन,वाहन की खरीदारी संभव है, लेकिन गृह कलह भी संभव है। स्वास्थ्य ठीक है।

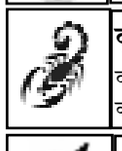

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृण होगी। जो भी आपने सोच समझ कर के डिजाईन कर रखा है उसको लागू करें।

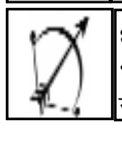

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्या साथ दे रहा है, स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार अच्छा पर धन हानि के संकेत हैं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे, स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान बहुत बढ़िया, व्यापार भी बहुत अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मन चिंतित रहेगा, खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी, स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार भी अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापिस मिलेगा। कुछ नए स्रोत से भी रुपये-पैसेआयेंगे।

फोनरवा की बैठक में विद्युत समस्याओं की लगी झड़ी

नोएडा (चेतना मंच)। चित्र मंच फोनरवा कार्यालय सेक्टर-52 में फोनरवा कार्यकारिणी कमेटी की बैठक हुई। जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ आरडब्ल्यूए से संबंधित समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। सभी सदस्यों का कहना था बिजली विभाग से लगातार कई बैठकर हुई थी जिसमें उनके उच्च अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि मार्च 2024 तक बहुत हद तक बिजली की समस्या में सुधार होगा और इसके लिए उनको पर्याप्त बजट भी मिला था। परंतु अभी भी आरडब्ल्यूए से बिजली की समस्याएं लगातार आ रही हैं।

सेक्टरों में ट्रांसफार्मरों, लाइनों, जंग खाए हुए खंभों, बेकार फीडर जंक्शन/पैनल बॉक्स,मीटर बॉक्स आदि की हालत अभी भी खराब ही। उसमे विषेश सुधार नहीं हुआ है। अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि जल्दी ही बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके बिजली की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कुछ सदस्यों का कहना था कि नोएडा प्राधिकरण में उनके द्वारा दी गई शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। आरडब्ल्यूए कि समस्याओं का जल्दी से जल्दी समाधान हो इसके लिए जल्दी हो इसके लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा प्राधिकरण के साथ बैठक की जाएगी।

इस मीटिंग में अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महासचिव के के जैन, कोषाध्यक्ष पवन यादव, विजय भाटी, अशोक कुमार मिश्रा, देवेंद्र सिंह, सुशील यादव, प्रदीप वोहरा, लाटसाहब लोहिया एडवोकेट, संजय चौहान, सुखबीर सिंह, हृदेश कुमार गुप्ता, उमाशंकर शर्मा, देवेंद्र कुमार, सुशील शर्मा, कोसिंदर यादव, भूषण शर्मा तथा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

24 से हर मंडल में युवा चौपाल लगाएगी भाजयुमो : रामनिवास यादव

नोएडा (चेतना मंच)।

भाजपा युवा मोर्चा नोएडा महानगर संपूर्ण जिले में 24 फरवरी से 5 मार्च 2024 तक प्रत्येक मंडल में 20-20 युवा चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन करेगा, जिसमें 18 से 35 वर्ष के युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित किया जाएगा।

युवा चौपाल के कुशल क्रियान्वयन के लिए भाजपा जिला कार्यालय सेक्टर 116 में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला कार्यशाला की अध्यक्षता भाजयुमो जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव ने की एवं भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र भाटी प्रवासी के रूप मे उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा नोएडा महानगर जिले के सभी आठों मंडलों में 20/20 युवा चौपाल का आयोजन करेगा जिसमें प्रधानमंत्री की 10 वर्षों की उपलब्धियां से युवाओं को अवगत कराया जाएग। बैठक में अनुज प्रधान, मोहित शर्मा, धर्मेंद्र चौहान, विपुल शर्मा, प्रवीण चौहान, सत्यम सिंह, मीडिया प्रभारी अर्पित मिश्रा, कौशल यादव, साधना शर्मा, अमित पांडे, नवीन मिश्रा, कपिल धारीवाल, विपिन भाटी, रोहित शर्मा इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी में बेटी पैदा होने पर 25 हजार रूपए देगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में बड़ा बदलाव किया गया है। अब उत्तर प्रदेश में लड़की पैदा होने पर उत्तर प्रदेश सरकार 25 हजार रूपए लड़की के माता-पिता को देगी। उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में अब तक 15 हजार रूपए दिए जा रहे थे। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने 15 हजार रूपए को बढ़ाकर 25 हजार रूपए करने का फैसला कर लिया है। इस फैसले की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक शिशिर सिंह ने कहा है कि कन्या सुमंगल योजना में बड़े बदलाव किए गए हैं।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की सरकार में कन्या यानि बेटी पैदा होने पर नगद धनराशि देती है। इस योजना का नाम मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना है। इस योजना की शुरूआत वर्ष-2019 में पूरे उत्तर प्रदेश में एक साथ की गई थी। इस योजना के तहत बेटी पैदा होने से लेकर 12वीं कक्षा पास करने तक बेटी के लालन-पालन में मदद करने के लिए सरकार नगद राशि

देती है। उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी तारीफ कर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में बेटी के जन्म के समय 2 हजार रूपए नगद देने का प्रावधान था अब इस राशि को बढ़ाकर उत्तर प्रदेश सरकार ने 5 हजार रूपए कर दिया है। इसी प्रकार बेटी की उम्र 1 वर्ष पूरी हो जाने पर उत्तर प्रदेश सरकार 1 हजार रू0 दे रही थी। अप्रैल महीने से 2 हजार रूपए दिये जाएंगे। कक्षा-1 में प्रवेश लेने पर बेटी को 2 हजार रूपए देने का प्रावधान था। इस प्रावधान को बढ़ाकर उत्तर प्रदेश सरकार ने 3 हजार रूपए कर दिया है। जब बेटी कक्षा-6 में प्रवेश लेगी उसे उत्तर प्रदेश की सरकार 2 हजार रूपए दे रही थी। उसे भी बढ़ाकर 3 हजार रू0 कर दिया गया है। कक्षा-9 में प्रवेश लेने पर बेटी को 3 हजार रूपए दिये जा रहे थे अब 5 हजार रू0 दिये जाएंगे। 12वीं कक्षा पास करने के बाद स्नातक में प्रवेश लेते समय अब उत्तर प्रदेश सरकार बेटी को 5 हजार रूपए के बजाए 7 हजार रूपए देगी।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटियों को 25 हजार रू0 नकद देगी। उत्तर प्रदेश सरकार की इस योजना की प्रधानमंत्री समेत अनेक प्रदेशों के मुख्यमंत्री तारीफ कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के कुछ विधायकों ने कन्या सुमंगला योजना में धनराशि 25 हजार रू0 से बढ़ाकर कम से कम 2 लाख रूपये करने की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा में दोबारा बिल्डर प्लॉट्स की होगी नीलामी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया की शुरूआत की है। बता दें कि 18215 से लेकर 38711 स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र वाले इन प्लॉट्स का रिजर्व प्राइस 83.78 करोड़ रुपए से लेकर 178.34 करोड़ रुपये के बीच तय किया गया है। बड़ी खबर यह है कि बिल्डर प्लॉट आवंटन स्कीम के माध्यन से जिन प्लॉटों का ऑक्शन होना है वह ग्रेटर नोएडा में बन रहे जेवर एयरपोर्ट के समीप ही हैं। इसके साथ ही, जिन सेक्टर्स में इस स्कीम के माध्यम से बिल्डर प्लॉट्स की नीलामी का मार्ग प्रशस्त होगा वह कनेक्टिविटी के नजरिये से भी बेहद खास होगीं। फिलहाल, इस स्कीम के अनुसार ई-ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से जिन प्लॉट्स की नीलामी होनी है उनकी ब्रोशर डाउनलोडिंग व रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की शुरूआत हो गई है और 1 अप्रैल 2024 लास्ट डेट रखी गई है।

यूपी के सीएम योगी के विजन के अनुसार, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरूआत कर दी है उनमें म्यू (एमयू), ओमीक्रॉन-1ए, इटा-02, सिग्मा-3 सेक्टर 36 व सेक्टर 12 प्रमुख हैं। प्रक्रिया के अंतर्गत म्यू सेक्टर के प्लॉट नंबर जीएच-02ई (जिसका वर्ग क्षेत्र 18215 स्क्वेयर मीटर निर्धारित है) का रिजर्व्ड प्राइस 87.78 करोड़ रुपये तय किया गया है। इसी प्रकार ओमीक्रॉन-1ए सेक्टर में प्लॉट जीएच-01/जीएच01ए (जो कि 30470.52 स्क्वेयर मीटर में फैला है) का रिजर्व्ड प्राइस

140.16 करोड़ रुपये तय किया गया है।

वहीं, इटा-02 सेक्टर के प्लॉट नंबर जीएच01ए (जोकि 28265 वर्ग मीटर में फैला है) का रिजर्व्ड प्राइस 143.02 करोड़ रुपए तय किया गया है।

वहीं, सिग्मा-3 सेक्टर के प्लॉट नंबर 151 (जो कि 30000 वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ है) का रिजर्व प्राइस 138 करोड़ तथा प्लॉट नंबर 207 (जो कि 38771 मीटर वर्ग क्षेत्र में फैला हुआ है और स्कीम के तहत आवंटित होने वाला सबसे बड़े प्रसार क्षेत्र वाला प्लॉट है) का रिजर्व प्राइस 178.34 करोड़ रुपये तय किया गया है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण जिन 8 चिह्नित बिल्डर प्लॉट्स के ई-ऑक्शन की प्रक्रिया जीबीसी-4.0 के बाद पूरी की जाएगी उनमें ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 12 के दो केटेगरी के प्लॉट्स भी शामिल किए गए हैं। इनमें से सेक्टर 12 के जीएच-01/बी, सी, डी, ई, जे व के में 32350 वर्ग मीटर के प्लॉट भी शामिल किए गए हैं जिनका रिजर्व्ड प्राइस 130.05 करोड़ रुपये तय किया गया है।

वहीं, सेक्टर 12 के ही जीएच-01/एफ, जी, एच व आई में 22558 वर्ग मीटर क्षेत्र वाले प्लॉट का रिजर्व प्राइस 90.68 करोड़ रुपये तय किया गया है। ऐसे ही सेक्टर 36 के प्लॉट बी-255 (जिसका 13938.50 वर्ग मीटर क्षेत्र में प्रसार है) का रिजर्व प्राइस 67.32 करोड़ रुपये तय किया गया है जो कि स्कीम के तहत सबसे कम क्षेत्रफल और सबसे कम रिजर्व प्राइस वाला प्लॉट है।

बता दें कि यह सभी प्लॉट्स जेवर एयरपोर्ट के पास स्थित होने के कारण बेहतर कनेक्टिविटी युक्त हैं और यही वजह है कि भविष्य में इन क्षेत्रों का पौश रेजिडेंशियल व कमर्शियल एरिया के रूप में विकास सुनिश्चित हो सकेगा। ऐसे में, यूपी की योगी सरकार ने इन प्लॉट्स की क्षमता को पहचानते हुए अभी से इस क्षेत्र का विकास शुरू कर दिया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से एकल निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर नं. "52-जीकेपी-एमडब्लूएस-2023-24" "कम्प्रेहन्सिव एएमसी ऑफ एम ए एम सी ओ क्वायल स्प्रिंग एण्ड लोड डिफलेक्शन टेस्टिंग मशीन (ऐसेट नं. बोगी-71) क्वान्टिटी-01 नं. फॉर 2 इयर्स एट जीकेपीएस"। अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 57,23,000/-, धरोहर राशि (रू०में): ₹ 1,14,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: निल, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 18-03-2024, 11:00 बजे, संविदा की अवधि: 24 माह। • इस ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी०/रिपेयर, यां० कार० मुजाधि/याँत्रिक-129 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पुलिस भर्ती परीक्षा में नदारद रहने वाले 15 शिक्षकों पर कार्रवाई, रोकी गई सैलरी

ग्रेटर नोएडा। जनपद के 32 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई पुलिस भर्ती परीक्षा में नदारद रहने वाले 15 शिक्षकों का वेतन बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने अग्रिम आदेश तक रोक दिया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि परिषदीय स्कूल के शिक्षकों की ड्यूटी परीक्षक एवं सहायक परीक्षकों के पदों पर लगाई गई थी।

शिक्षकों को परीक्षा केंद्रों पर समय से उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए गए थे, लेकिन शिक्षक केंद्रों पर नहीं पहुंचे और न ही उनकी ओर से परीक्षा में अपनी आख्या संबंधित केंद्र पर प्रस्तुत नहीं की गई, जिस कारण परीक्षा को सफल आयोजित कराने में परेशानियों का सामना करना पडा।

शिक्षकों की ओर से सरकारी आचरण नियमावली का उल्लंघन किया गया है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गौतमबुद्धनगर द्वारा दिये गए निर्देशों के अनुसार, शिक्षकों का वेतन तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक रोक दिया गया है।

बिसरख ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल कनावनी की सुनीता देवी, ऊषा वर्मा, गीतिका श्रीवास्तव, तरूनुम निशा, कंपोजिट स्कूल बहलोलपुर की साधना सिंह, रमा वर्मा, प्राथमिक स्कूल चोटपुर की सरोज, प्रियंका राय, नमिता सिंह, कंपोजिट स्कूल छिजारसी की ममता राजपूत, नलिनी वर्मा, सुनीता गौड, कंपोजिट स्कूल नयाबास की चंचल भाटिया, कंचन वर्मा और कंपोजिट स्कूल होशियारपुर की सारिका का वेतन रोक दिया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चल रही रामलला की राग सेवा में पहुंची हेमा मालिनी

अयोध्या। मथुरा की सांसद और प्रख्यात सिने अभिनेत्री के साथ ही भरत नाट्यम की प्रख्यात नृत्यांगना हेमा मालिनी ने शनिवार को रामजन्मभूमि मंदिर परिसर में राम लला के समक्ष भरत नाट्यम के विशेष भाव पक्ष तिल्लाना के माध्यम से अपनी भावांजलि प्रस्तुत की। उन्होंने विशिष्ट भाव भंगिमाओं से भक्ति के अमूर्त भावों की मूर्त अभिव्यक्ति की।

26 जनवरी से राम लला के समक्ष प्रसिद्ध कलाकारों की राग सेवा चल रही है। गत दिवस प्रसिद्ध किशनगढ़ हवेली संगीत के सशक्त हस्ताक्षर पं. चंद्रप्रकाश ने गोस्वामी तुलसी दास के पदों की प्रस्तुति की थी। अब तक अनुराधा पौडवाल, अनूप जलोटा सहित कई नामचीन कलाजगत की हस्तियां राग सेवा में अपनी हाजिरी लगा चुके हैं।

अपने समय में दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली हेमा मालिनी ने मंदिर परिसर के गूढ़ी मंडप में चल रही राग सेवा के क्रम में गोस्वामी तुलसी दास के प्रिय भजन श्रीरामचंद्र कृपाल भजमनु हरण भव दारुणम्, और रघुपति राघव राजा राम पर भाव प्रवण नृत्य प्रस्तुत किया। भरत नाट्यम की प्रख्यात नृत्यांगना ने इसके विशिष्ट अंग तिल्लाना, जिसमें भाव-भंगिमाओं की पेशकारी प्रमुख होती है, उसे विशेष रूप से प्रस्तुत किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर।

पत्रांक-1619/96एम(iv)-बु0शहर वृत/2023-24 दिनांक:-09.02.2024

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर द्वारा निम्नलिखित कार्य की मदवार दरों पर ऑनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से उक्त कार्य के लिये लोक निर्माण विभाग में तालिका के कॉलम 10 के अनुसार रोड़ निर्माण में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार द्वारा दिनांक 20.02.2024 से 26.02.2024 तक अपरान्ह् 12:00 बजे तक उ0प्र0 सरकार से प्रचलित एस0बी0डी0 के अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्य की तकनीकी निविदा दिनांक 26.02.2024 को अपरान्ह् 12:30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाईन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा वैद्यता पूर्ववत् होगी। ऑनलाईन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाइट पर दर्शायी जायेगी।

सं0/लॉट सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0 एस0 टी0 सहित (रू0 में)	सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का पता	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	चतुर्थ अमंत्रण								
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2023-24 में दनकौर से मकनपुर मार्ग (अ0जि0मा0) पर चैडीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य।	2760.00	41.40	12 माह	300+2000+ 18% जी0एस0टी0 रू0 414.0 = 2714.00	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गौतमबुद्धनगर	अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता, मे0क्षे0, लो0नि0वि0, मेरठ।	A

1. कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं0-5 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3. समस्त पंजीकृत ठेकेदारो द्वारा पिछले 5 वर्षो का टर्न ओवर जोकि सी0ए0 से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षो से सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा। ई-निविदा, जोकि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5. लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू0आर0एल http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।

(कंचन सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
गौतमबुद्धनगर

www.upgov.nic.in , Upid-203714 Dt. 17/02/2024

(एस0के0 गौतम)
अधीक्षण अभियन्ता
बुलन्दशहर वृत, लो0नि0वि0,
बुलन्दशहर

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

मंत्री बनने तक अधिसूचना जारी नहीं होने देंगे, राजभर का बीजेपी को इशारों में अल्टीमेटम

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मंत्रिमंडल का विस्तार होना है। लंबे समय से इंतजार भी हो रहा है। अटकलें और चर्चाओं के बीच सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कई बार मंत्रिमंडल विस्तार का समय भी बताया और डेट तय कर दी। अब एक बार फिर ओमप्रकाश राजभर ने मंत्रिमंडल विस्तार पर बयान दिया है। उन्होंने इशारों ही इशारों में बीजेपी को अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ओमप्रकाश राजभर जो बोलता है सीना ठोक कर बोलता है जिस दिन मंत्रिमंडल विस्तार होगा उस दिन मंत्री बनूंगा। मंत्री जब तक बन नहीं जाएंगे तब तक अधिसूचना जारी नहीं होने देंगे। आगे एनडीए के सहयोगी दल सुभासपा के प्रमुख राजभर ने कहा कि महाराजा सुहेलदेव को भारत रत्न देने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश को गुलाम होने से बचाने वाले राष्ट्र रक्षक महाराजा सुहेलदेव राजभर को भारत रत्न मिलना चाहिए। राजभर ने सपा पर जमकर हमला बोला। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा 'पीडीए की बात करती है असली काम तो इधर बैठी भाजपा सरकार ने किया है। सपा ने क्यों नहीं सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर फैसला लिया। तभी सपा के एक सदस्य ने टिप्पणी की, अब आप सरकार में मंत्री कब बनोगे। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मुसलमान नेताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि मुस्लिम विधायकों का अभी भी जमीर जिंदा है तो उन्हें राज्यसभा के चुनाव में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को ठगा जा रहा है। ओपी राजभर ने सपा नेता स्वामी प्रसाद के इस्तीफे पर जमकर हमला बोला। राजभर ने कहा कि यह सब सिर्फ ड्रामा है। राजभर ने सवाल उठाया कि आखिर स्वामी प्रसाद मौर्य एमएलसी का पद क्यों नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद ने संगठन के पद से इस्तीफा दे दिया। संगठन में तो उनकी कभी भी वापसी हो सकती है। ह ओम प्रकाश राजभर ने राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा।

यूपी में योगी सरकार ने छह महीने के लिए हड़ताल पर लगाई पाबंदी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले छह माह के लिए सरकार ने किसी भी तरह की हड़ताल पर पाबंदी लगा दी है। यह नियम राज्य सरकार के अधीन सरकारी विभागों, निगम और प्राधिकरण विभाग पर लागू रहेगा। अगर कोई कर्मचारी इस अवधि के दौरान हड़ताल करता है, तो उसके खिलाफ एस्मा के तहत कार्रवाई की जाएगी और उन्हें बिना वारंट गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इस दौरान सरकारी विभागों, अर्द्धसरकारी विभागों, निगमों और प्राधिकरणों में हड़ताल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्य सरकार ने लोकहित में यह फैसला लिया है। इससे पहले योगी सरकार ने 2023 में छह महीने तक के लिए हड़ताल पर रोक लगाई थी। उस समय सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने के कारण फैसला लिया था। इस दौरान जो भी कर्मचारी हड़ताल पर गए थे, उनके खिलाफ कार्रवाई हुई थी। बता दें कि कई बार सरकारी कर्मचारी मांगों को लेकर धरने पर बैठ जाते हैं। ऐसे में कई बार कार्य प्रभावित होता है। लोगों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। उत्तर प्रदेश एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट (एस्मा) के तहत सरकार के पास अधिकार है, जिसे लागू करके कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगा सकती है। इसमें बिना वारंट के हड़तालियों की गिरफ्तारी की जा सकती है।

इसरो ने वायुमंडल में गिराया कार्टोसेट-2 ; मलबा भी नहीं मिलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी। सत्रह साल पहले प्रक्षेपित किए गए हाई क्वॉलिटी वाले उपग्रहों की दूसरी पीढ़ी के इसरो के पहले उपग्रह कार्टोसैट-2 को अंतरिक्ष से पृथ्वी के वायुमंडल में सफलतापूर्वक गिरा दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी के एक अधिकारी ने शुक्रवार यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहाकि उपग्रह ने 14 फरवरी को भारतीय समयानुसार अपराह्न 3.48 बजे हिंद महासागर के ऊपर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश किया। उसने बताया कि या तो यह जल गया होगा या इसका बचा हुआ हिस्सा समुद्र में गिर गया होगा, जिसे हम ढूंढ़ नहीं पाएंगे। इसरो के अनुसार, उपग्रह को 10 जनवरी 2007 को प्रक्षेपित किया गया था। प्रक्षेपण के समय इसका वजन 680 किलोग्राम था और यह 635 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में कार्य कर रहा था। इसने कहाकि शुरुआत में, कार्टोसैट-2 को स्वाभाविक रूप से नीचे आने में लगभग 30 साल लगने की उम्मीद थी। हालांकि, इसरो ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने पर अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए बचे हुए ईंधन का उपयोग कर इसकी परिधि को कम करने का विकल्प चुना। इसरो ने कहाकि बाह्य अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र समिति (यूएन-सीओपीओयूएस) और अंतर-एजेंसी अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति (आईएडीसी) जैसे संगठनों की सिफारिशों के बाद, इस कवायद में टकराव के जोखिमों को कम करना और इसका सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करना शामिल था।

चचेरे भाई और भतीजी के कातिल को फांसी की सजा, गांव में दौड़ाकर दिनदहाड़े की थी हत्या

महराजगंज, एजेंसी। यूपी के महराजगंज में चचेरे भाई और भतीजी की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम की अदालत ने अभियुक्त को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने 2 लाख 25 हजार जुर्माना भी लगाया है। पुरन्दरपुर क्षेत्र के मानिक तालाब टोला चन्नीपुर में 2 अप्रैल 2014 को दिनदहाड़े बैजू उर्फ बैजनाथ ने अपने चचेरे भाई निर्मल और भतीजी की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में भतीजी ज्ञानती के पिता राजेन्द्र चौधरी की तहरीर पर पुरन्दरपुर थाने में केस दर्ज कराया। वादी के मुताबिक बैजू के पिता यमुना चौधरी से 15-20 साल पहले जमीन का विवाद था। उस समय बैजू छोटा था। विवाद उसी समय सुलझ गया था। बैजू जब बड़ा हुआ तो उसी मामले को लेकर रंजिश रखने लगा था। रंजिश के कारण ही उसने ज्ञानती व उसके ताऊ निर्मल की दिनदहाड़े गांव में दौड़ा कर हत्या कर दी।

ट्रायल के दौरान 14 गवाहों में से दस ने गवाही की। साक्ष्यों के आधार पर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने अभियुक्त बैजू उर्फ बैजनाथ को दोषी करार दिया। कोर्ट ने अभियुक्त को मौत की सजा सुनाते हुए आदेश दिया कि उसे तब तक गर्दन से फांसी पर लटकाया जाए जब तक वह मर न जाए। जिले में फांसी की सजा का यह

दूसरा मामला है। इसके पहले सदर कोतवाली क्षेत्र के पिपरा कल्याण गांव में हुई हत्या के मामले में कोर्ट ने वर्ष 2003 में फांसी की सजा सुनाई थी।

दिनदहाड़े दोहरे हत्याकांड से दहल उठा था मानिक तालाब गांव : बचपन की रंजिश को मन में पालकर बड़ा हुआ बैजू उर्फ बैजनाथ ने 2 अप्रैल 2014 को दोहरे हत्याकांड को अंजाम देकर चचेरे भाई व भतीजी को मौत के घात उतार दिया था। दिन दहाड़े हुई इस घटना से पुरन्दरपुर थानाक्षेत्र का मानिक तालाब गांव दहल उठा था। घटना के बाद बैजू भगाने के दौरान पीछा कर रहे ग्रामीणों को धारदार हथियार लहरा कर भयभीत करने की कोशिश किया था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। पत्रावली के मुताबिक बैजू के मन में रंजिश दोहरे हत्याकांड के करीब बीस साल पहले ही पल गई थी। उस समय वह छोटा था। पिता व चाचा के बीच भूमि को लेकर लफड़ा था। बाद में उसे सुलझा लिया गया था, लेकिन बैजू उर्फ बैजनाथ उस रंजिश को मन में पाले रहा। घर के अंदर खुद ही लोहे का हथियार बनाता रहा। वादी राजेन्द्र चौधरी के मुताबिक बैजू के रंजिश को वह समझ नहीं पाए। दो अप्रैल 2014 को चचेरा भाई निर्मल की हत्या की योजना उस समय बनाया जब परिजन घर पर मौजूद नहीं थे।

चचेरे भाई को 79 बार चाकू से गोंदा, भतीजी पर किया था 73 वार : बैजू घटना के दिन अपने हाथ व पैर में ट्यूब के सहारे चाकू समेत कई धारदार हथियार को बांध छिपाया था। मालिक तालाब गांव में कबीर चौधरी के घर के सामने निर्मल को देखते ही वह अपने हाथ से बनाए तलवार व चाकू लेकर दौड़ा लिया। हमला के बाद वह निर्मल नीचे गिर गया। सीने पर बैठ दोनों हाथ से चाकू व तलवार निर्मल के शरीर को 79 बार गोदा। यह घटना देख भतीजी ज्ञानती शोर मचाते हुए बोली कि चाचा बड़े पापा को मत मारो। इसके बाद निर्मल को छोड़ बैजू अपनी भतीजी को दौड़ा लिया। बदहवास होकर भाग रही ज्ञानती को तीन घर पार करते हुए हरिराम विश्वकर्मा के घर के सामने दबोच हमला कर दिया। उसके उपर 73 बार वार किया था। इससे घटना स्थल पर उसकी मौत हो गई। इस मामले में नौ साल दस माह बाद फांसी की सजा का फैसला आने के बाद मानिक तालाब के गांव के लोगों के जेहन में घटना की तस्वीर कौंध आई। नरेन्द्र यादव ने बताया कि दिल दहला देने वाली घटना थी। पुलिस कार्यालय के मीडिया सेल के मुताबिक हत्या के इस जघन्य अपराध में अभियुक्त को सजा सुनाने में आपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस ने अभियोजन विभाग से समन्वय बनाकर प्रभावी पैरवी किया। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह के अलावा कोर्ट मोहिरर हेड कांस्टेबल भगवान राम व न्यायालय पैरोकार कांस्टेबल सूरज कुमार तिवारी ने समय-समय पर गवाहों को पेश किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी देवेन्द्र पांडेय व संतोष मिश्र ने बहस किया। पत्रावली में उपलब्ध साक्षों के आधार पर न्यायाशीश ने फैसला सुनाया।

दौसा लोकसभा चुनाव 2024 : सचिन पायलट बीजेपी को हैट्रिक लगाने से रोक पाएंगे ?

जयपुर, एजेंसी। पूर्वी राजस्थान के केंद्र बिंदु दौसा लोकसभा सीट को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के दावेदारों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। दोनों ही दलों एक दर्जन से ज्यादा प्रत्याशियों ने दावेदारी ठोक रखी है। लेकिन कांग्रेस में सचिन पायलट की पसंद को ही टिकट मिलेगा। जबकि बीजेपी में किरोड़ी लाल मीणा अपने भाई के जगमोहन मीणा के लिए टिकट की मांग कर सकते है। दौसा सांसद जसकौर मीणा और किरोड़ी लाल की अदावत जगजाहिर है। लोकसभा चुनाव 2019 में किरोड़ी समर्थकों ने जसकौर का विरोध किया था। किरोड़ी समर्थक इस बार भी जसकौर के खिलाफ मोर्चा खोल सकते है। एसटी के लिए आरक्षित सीट दौसा में किसी दोनों ही दल मीणा समुदाय को टिकट देते रहे है। राजनीतिक लिहाज से दौसा कांग्रेस के परंपरागत गढ़ रहा है। लेकिन पिछले दो चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ रहा है।

दौसा से राजेश पायलट पांच बार सांसद बने थे : दौसा से राजेश पायलट पांच बार सांसद बने थे। मजे की बात यह है कई बार किरोड़ी लाल को ही चुनाव शिकस्त दी थी। सचिन पायलट और उनकी मां रमा पायलट भी दौसा से सांसद रह चुकीं है। ऐसे में यह तय है कि कांग्रेस का टिकट उससे ही मिलेगा जिसे सचिन पायलट चाहेंगे। पिछली बार कांग्रेस विधायक मुरारी लाल मीणा की पत्नी को टिकट दिया गया था। माना यही जा रहा है कि इस बार मुरारी लाल को टिकट मिल सकता है। हालांकि, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रभुदयाल मीणा समेत कई आईएएस भी लाइन में लगे हुए है। लेकिन टिकट सचिन पायलट ही तय करें। सियासी जानकारों का कहना है कि इस बार बीजेपी निवर्तमान सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट सकती है। क्योंकि स्थानीय स्तर पर उनका विरोध हो रहा है। किरोड़ी लाल अपने भाई के लिए पैरवी कर रहे है। किरोड़ीलाल बीजेपी के बड़े नेता माने जाते है। ऐसे में बीजेपी उनकी अनदेखी भी नहीं करना चाहेगी।

हिमाचल में फिर बिगड़ेगा मौसम, 3 दिन भारी बारिश और बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम के लिहाज से आने वाला सप्ताह बेहद भारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा हिमाचल में 20 फरवरी तक भारी बारिश और बर्फबारी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 22 फरवरी तक बारिश की भी भविष्यवाणी की है क्योंकि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के शनिवार से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। मौसम विभाग ने 18 से 20 फरवरी तक अलग-अलग इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश, बर्फबारी और तूफान के साथ ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी है। शनिवार को आंधी और बारिश की संभावना है। मौसम कार्यालय ने इस अवधि के दौरान यातायात और अन्य आवश्यक सेवाओं के बाधित होने की भी चेतावनी दी है और कहा है कि राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों के बाधित होने, मध्य और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बिजली और मोबाइल और टेलिफोन लाइन में बाधा उत्पन्न होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। शुक्रवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। लाहौल और स्पीति जिले का कुकुमसेरी रात के दौरान शून्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा रहा।

मैं उनका बेटा होता तो आज राकांपा का बॉस बन गया होता:अजित पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर वह वरिष्ठ नेता के बेटे होते तो आसानी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष बन जाते। इस बयान पर शरद पवार के वफादार माने जाने वाले पूर्व राज्य मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि अजित महाराष्ट्र की राजनीति में इतनी तेजी से नहीं उभर पाते अगर वह शरद पवार के भतीजे नहीं होते।

अजित पवार ने यहां पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन पर शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी को 'चोरी' करने का आरोप लगाया गया, लेकिन निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया है और इस बात की पुष्टि की है कि अजित गुट ही असली राकांपा है। उन्होंने अपने चाचा का नाम लिए बिना कहा, ''यदि मेरा जन्म वरिष्ठ नेता के घर हुआ होता तो मैं स्वाभाविक रूप से

पार्टी का अध्यक्ष बन जाता, बल्कि पार्टी मेरे नियंत्रण में आ जाती। लेकिन, मैं आपके भाई के घर पैदा हुआ। अजित ने कहा कि समूचा परिवार उनके विरूद्ध है किंतु पाटी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, ''हमें निशाना बनाया गया। कहा गया कि हमने यह फैसला (भाजपा से हाथ मिलाने का) सिर्फ अपने खिलाफ जांचों को रोकने के लिए लिया। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हमारे साथ जो लोग हैं, उनमें से हर कोई जांच का सामना कर रहा हैउपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कभी मंत्री नहीं बने और इसलिए उन पर कभी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। अजित ने कहा, ''जब आप कभी मंत्री नहीं बने, तो आपके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप कैसे लगेंगे...मेरे पास राज्य की जिम्मेदारी थी। जो लोग काम करते हैं, उन पर आरोप लगना तय है। जो लोग काम नहीं करते, उनका पाक साफ रहना तय है। उल्लेखनीय है कि शरद पवार की बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने अभी तक कभी मंत्री पद नही संभाला है। अजित पवार ने दावा किया कि यदि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के लिए शरद पवार की पसंद को मान लिया होता तो उनकी सराहना हो रही होती। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं जब पार्टी का अध्यक्ष बन गया तो हमारे बारे मे कहा गया कि हम किसी भी काम के नही हैं। अजित ने कहा कि वह बारामती से एक ऐसा उम्मीदवार खड़ा करेंगे जिसने पहले कभी चुनाव नहीं लड़ा हो लेकिन उस व्यक्ति के पास पर्याप्त अनुभव वाले समर्थक होंगे। अजित पवार ने कहा कि लोगों को इस उम्मीदवार को यह मानकर वोट देना चाहिए जैसे कि वह स्वयं चुनाव में उतरे हो। पलटवार करते हुए शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से जुड़े विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सवाल किया कि अजित ने बगावत शुरू करने के बजाय चुनाव के जरिए पार्टी अध्यक्ष बनने की कोशिश क्यों नहीं की।

आव्हाड ने कहा, ''अगर अजित पवार शरद पवार के भतीजे नहीं होते, तो उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में इतनी जल्दी अवसर नहीं मिलते। यही कारण है कि अजित पवार 1991 में सांसद, 1993 में विधायक और फिर (राज्य) मंत्री बने।'' उन्होंने कहा, ''1999 से 2014 तक अजित पवार के पास सभी महत्वपूर्ण विभाग थे। अजित के कृत्यों ने पार्टी की छवि को खराब किया लेकिन शरद पवार ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वह अजित से जुड़े थे।

कुनबी प्रमाण पत्र वाले मराठा आरक्षण के नहीं हकदार, एमएसबीसीसी ने सौंपी रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (एमएसबीसीसी) ने शुक्रवार को मराठा समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन पर अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सौंप दी है। जब आयोग के प्रमुख जस्टिस (रिटायर्ड) सुनील शुक्रे ने रिपोर्ट पेश किया तो उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी वहीं मौजूद थे। मुख्यमंत्री शिंदे को उम्मीद है कि इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मराठा समुदाय को कानूनी जांच पर खरा उतरने वाला आरक्षण मिल सकेगा। हालांकि, रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन इस बात की चर्चा जोरों पर है कि आयोग ने कुनबी प्रमाण-पत्र धारकों को मराठा आरक्षण का हकदार नहीं माना है। आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद खुद मुख्यमंत्री शिंदे ने भी यह स्पष्ट किया कि जिन मराठों ने अपने वंश में कुनबी रिकॉर्ड खोजने के बाद कुनबी (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया था, वे मराठा कोटा के लिए पात्र नहीं होंगे। अब मराठा समुदाय को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े आधार पर आरक्षण देने और उस पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है।

उस दिन इस मुद्दे पर सबसे पहले सुबह 10 बजे के आसपास राज्य कैबिनेट की बैठक में चर्चा की जाएगी और फिर लगभग एक घंटे बाद विधानसभा में आरक्षण का बिल पेश किया जाएगा। मामले से परिचित एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷जब राजनीतिक दलों के बीच मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने पर सहमति बन जाएगी, तो फिर इस पर विचार-विमर्श करने की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ेगी और आरक्षण का रास्ता साफ हो जाएगा। इस बीच, मुख्यमंत्री शिंदे ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे से अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समुदाय को आरक्षण देने के बारे में सकारात्मक है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे फिलहाल मराठा आरक्षण को लेकर जालना जिले में अपने पैतृक स्थान पर 10 फरवरी से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि रिपोर्ट से सरकार को आवश्यक आंकड़ों के साथ मराठा समुदाय के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने वाला कानून बनाने में मदद मिलेगी। इस व्यापक कवायद में लगभग 2.5 करोड़ परिवारों को शामिल किया गया। शिंदे ने इस बात पर जोर दिया कि अन्य समुदायों के मौजूदा आरक्षण को छेड़े बिना मराठा समुदाय के लोगों को आरक्षण दिया जाएगा।

कश्मीर में भी दौड़ेगी वंदेभारत, पीएम मोदी दिखाएंगे इलेक्ट्रिक ट्रेन को हरी झंडी

नईदिल्ली, एजेंसी। कश्मीर घाटी में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 फरवरी को कश्मीर की पहली इलेक्टिक ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। हाल ही में बनिहाल से संगलदन (रामबन के जिला मुख्यालय) तक रेलवे रूट का काम पूरा हुआ है। अब इस 48 किलोमीटर के रास्ते पर इलेक्ट्रिक ट्रेन दौड़ेगी। अधिकारियों का कहना है कि रूट पर जल्द ही वंदेभारत का भी ऐलान हो सकता है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार जनसभा को संबोधित करेंगे। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि रेलवे एक नया इतिहास लिखने जा रहा है। घाटी में अब क्लीन फ्यूल के जरिए ट्रेन चलेगी। अगले सप्ताह 2000 प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया जाएगा। इसमें कम से कम 500 रेलवे स्टेशनों का सुधार, रेलवे ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण शामिल है। चुनावी आचार संहिता लागू होने से पहले दो बड़े कार्यक्रम होने वाले हैं। वहीं अधिकारियों को भरोसा है कि जम्मू से श्रीनगर तक ट्रेन लोकसभा चुनाव से पहले ही दौड़ने लगेगी। सरकार ने वादा किया था कि घाटी को ट्रेन के जरिए जोड़ा जाएगा। बता दें कि संगलदन और कटरा के बीच दो सुरंगों को बनाने में देरी की वजह से इसका काम 6 महीने की देरी से पूरा हो रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दुग्गा और रियासी के बीच 18 किलोमीटर का रूट पूरा हो गया है। हालांकि जब तक दोनों तरफ का

काम खत्म नहीं हो जाता इसपर ट्रेन नहीं चलाई जा सकती। उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि जुलाई-अगस्त में जम्मू और कश्मीर के बीच ट्रेन सेवा शुरू हो जाएगी। जो सुरंगें बनाई जा रही हैं वे काफी जटिल हैं। ऐसे में काम पूरा होने में समय लग रहा है। फिलहाल बारामुला-बनिहाल सेक्शन में 138 किलोमीटर में डीजल ट्रेन चलती है। इस सेक्शन के इल्केट्रिफिकेशन का काम भी 470 करोड़ की लागत से पूरा हो चुका है। इस सेक्शन में 19 स्टेशन होंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक एक रेलवे अधिकारी ने कहा, इलेक्ट्रिफिकेशन के बाद इस रूट पर जल्द ही वंदेभारत भी दौड़ सकती है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। यहां सबसे ज्यादा चुनौती पीर पंजाल पर्वत श्रेणी में सुरंग बनाने की है जिसका इस्तेमाल हर मौसम में किया जा सके।

सुप्रिया सुले का अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से हो सकता है मुकाबला

बारामती, एजेंसी। महाराष्ट्र में इस साल लोकसभा चुनाव की जंग रोचक हो सकती है। सबकी निगाहें पवार परिवार का गढ़ कहे जाने वाली बारामती सीट पर होगी, जहां शरद पवार की बेटी और मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले का मुकाबला उनकी ही भाभी और राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से होने की चर्चा जोरों पर है। इन अटकलों और चर्चाओं को खुद अजित पवार ने हवा दी है। शुक्रवार को बारामती में अजित पवार ने बिना किसी का नाम लिए अपने मतदाताओं से भावुक अपील की कि अगले आम चुनाव में बारामती लोकसभा सीट से ऐसे उम्मीदवार को चुनें जो पहली बार चुनावी मैदान में उतरा हो लेकिन वह अनुभवी लोगों से घिरा रहा हो। अजित पवार ने अपने संबोधन के दौरान पत्नी सुनेत्रा पवार का नाम तो नहीं लिया लेकिन इस बात के संकेत दे दिए कि आगामी चुनावों में बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उनकी पत्नी चुनावी मैदान में होंगी।

कौन हैं सुनेत्रा पवार : 60 वर्षीय सुनेत्रा पवार अजित पवार की पत्नी हैं। वह राज्य के एक बड़े राजनीतिक परिवार से तालुल्क रखती हैं। उनके भाई पदमसिंह पाटिल पूर्व मंत्री हैं, जबकि उनके भतीजे राणा जगजीतसिंह पदमसिंह पाटिल उस्मानाबाद से भाजपा के विधायक हैं। अजित पवार और

सुनेत्रा पवार के दो बेटे हैं। जय और पार्थ पवार। जय पारिवारिक बिजनेस संभालते हैं, जबकि पार्थ राजनीति में हैं।

उन्हेंने मावल से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन असफल रहे थे। सुनेत्रा पवार अब तक सक्रिय राजनीति से दूर रही हैं लेकिन समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं। वह 2010 में स्थापित एक गैर सरकारी संगठन एनवायर्नमेंटल फोरम ऑफ इंडिया की संस्थापक हैं। उनकी आधिकारिक वेबसाइट कहती है कि वह भारत में इको-विलेज की अवधारणा को विकसित करने में एक मार्गदर्शक रही हैं। वेबसाइट के मुताबिक, वह स्वदेशी और प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान विद्या प्रतिष्ठान की ट्रस्टी भी हैं। वेबसाइट के अनुसार, सुनेत्रा पवार 2011 से ही फ्रांस की वर्ल्ड एन्टरप्रोन्योरशिप फोरम की थिंक टैंक सदस्य रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अजित पवार पत्नी सुनेत्रा पवार के सामाजिक कार्यों का सक्रिय रूप से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। बारामती में एनसीपी यूनिट ने एक ऐसा रथ लॉन्च किया है, जिस पर सुनेत्रा पवार के किए सामाजिक कार्यों के विवरण है। ये रथ पूरे लोकसभा क्षेत्र में घूमेगा। फिलहाल सुप्रिया सुले ही बारामती से सांसद हैं। उनसे पहले उनके पिता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार 1996 से 2004 तक लगातार सांसद रहे हैं। 2009 से सुप्रिया सुले यहां से सांसद हैं। बारामती सीट पारंपरिक रूप से पवार परिवार का गढ़ रहा है। शरद पवार ने 1967, 1972, 1978, 1980, 1985 और 1990 में बारामती सीट से महाराष्ट्र विधान सभा का चुनाव जीता और 1984, 1996, 1998, 1999 और 2004 में बारामती से ही लोकसभा का भी चुनाव जीता है। 2009 का लोकसभा चुनाव सीनियर पवार ने माढ़ा से जीता था। पिछले तीन बार से 2009, 2014 और 2019 में यहां का प्रतिनिधित्व सुप्रिया सुले कर रही हैं। अजीत पवार ने 1991 में बारामती लोकसभा चुनाव जीता था और बाद में, सात बार 1991, 1995, 1999, 2004, 2009, 2014 और 2019 में वहां से विधानसभा चुनाव जीतते रहे हैं।

यशस्वी 'शतक' से भारत मजबूत स्थिति में

सिराज ने झटके चार विकेट, इंग्लैंड की पहली पारी 319 रन पर सिमटी, डकेट ने बनाए 153 रन

भारत ने दूसरी पारी में दो विकेट खोकर बनाए 196 रन, कुल बढ़त 322 रन की

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 104 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुए यशस्वी

● राजकोट,

गेंदबाजों के कातिलाना प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (104 रिटायर्ड हर्ट) के शानदार शतक की बदौलत भारत ने यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में दो विकेट पर 196 रन बना कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

भारत ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 319 रनों पर सिमट गई थी। 126 रन की लीड के साथ भारत ने दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा (19) और रजत पाटीदार (0) का विकेट खोकर 196 रन बना लिए थे। दिन का खेल खत्म होने के समय शुभमन गिल (65) और नाइटवाच मैन की भूमिका में कुलदीप यादव तीन रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। भारत की अब तक की कुल लीड 322 रनों की हो चुकी है जबकि उसके आठ खिलाड़ी आउट होने बाकी हैं हालांकि रविचंद्रन अश्विन के पारिवारिक कारणों से बीच में मैच छोड़ने के चलते भारत की ओर से दूसरी पारी में अब सिर्फ सात ही बल्लेबाज आउट होने बाकी हैं। शनिवार के खेल का मुख्य आकर्षण यशस्वी जायसवाल का शतक रहा जिन्होंने अपनी पारी की शुरुआत बेहद सतर्क तरीके से की और विकेट पर नजर जमाने के बाद अंग्रेज गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। अपने टेस्ट करियर के सातवें मैच में ही उन्होने अपना तीसरा शतक 122 गेंदों में नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से पूरा किया। इससे पहले यशस्वी पिछले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ चुके हैं। मैदान पर बैठे दर्शकों ने उनकी तूफानी बल्लेबाजी का लुफ्त उठाया। यशस्वी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 104 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान बल्लेबाजों को बांध कर रखा। बेन डकेट (153) के अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज क्रीज पर अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। ओली पोप (39) और कप्तान बेन स्टोक्स (41) ने कुछ समय क्रीज पर रह कर भारतीय गेंदबाजों का सामना करने की हिम्मत दिखायी। इंग्लैंड की पारी को समेटने में मोहम्मद सिराज (84 रन पर चार विकेट), कुलदीप यादव (77 रन पर दो विकेट) रविंद्र जडेजा (दो विकेट) और जसप्रीत बुमराह एक विकेट की भूमिका रही।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 445 रन

इंग्लैंड पहली पारी	रन	गेंद	4	6
क्रॉली का पाटीदार बो अश्विन	15	28	2	0
बेन डकेट का गिल बो कुलदीप	153	151	23	2
ओली पोप पगबाधा बो सिराज	39	55	5	1
जो रूट का जायसवाल बो बुमराह	18	31	2	0
बेयरस्टो पगबाधा बो कुलदीप	00	4	0	0
स्टोक्स का बुमराह बो जडेजा	41	89	6	0
फोक्स का शर्मा बो सिराज	13	37	2	0
रेहान अहमद बो सिराज	06	13	1	0
हार्टले स्टंप ज्यूरेल बो जडेजा	9	17	2	0
मार्क वुड नाबाद	04	3	1	0
जेम्स एंडरसन बो सिराज	01	3	0	0

अतिरिक्त: 20 रन

कुल : 71.1 ओवर में 319 रन पर ऑलआउट

विकेट पतन: 1-89, 2-182, 3-224, 4-225, 5- 260, 6-299, 7-299, 8-314, 9-314, 10-319

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जसप्रीत बुमराह	15	1	54	1
मोहम्मद सिराज	21.1	2	84	4
कुलदीप यादव	18	2	77	2
रविचंद्रन अश्विन	7	0	37	1
जडेजा	10	0	51	2

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जयसवाल रिटायर हर्ट	104	133	9	5
रोहित पगबाधा बो जो रूट	19	28	3	0
शुभमन गिल खेल रहे है	65	120	6	2
पाटीदार का रेहान बो हार्टले	00	10	0	0
कुलदीप यादव खेल रहे है	03	15	0	0

अतिरिक्त: 05 रन

कुल : 51 ओवर में दो विकेट पर 196 रन

विकेट पतन: 1-30, 1-185*, 2-191

गेंदबाजी	ओवर	मेडन	रन	विकेट
जेम्स एंडरसन	6	1	32	0
जो रूट	14	2	48	1
टॉम हार्टले	15	2	42	1
मार्क वुड	8	0	38	0
रेहान अहमद	8	0	31	0

खास खबर

ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दर्ज की रिकॉर्ड जीत

पर्थ : दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी में डेल्मी टकर और क्लो ट्राइटन की जुझारू पारियों के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं ने यहां एक पारी और 284 रनों के अंतर से बड़ी जीत हासिल की। यह ऑस्ट्रेलिया की पारी के अंतर से सबसे बड़ी जीत थी, जिसने 2001 में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पिछली सर्वश्रेष्ठ पारी और 140 रनों को पीछे छोड़ दिया था। यह पारी के अंतर से और रनों के अंतर से दूसरी सबसे बड़ी जीत भी थी। वाका में अत्यधिक गर्म परिस्थितियों में एलिसा हीली ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। उभरते तेज गेंदबाजी स्टार डार्सी ब्राउन ने प्रोटियाज के पांच बल्लेबाजों को आउट कर उन्हे मात्र 76 रन पर रोक दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं का अब तक का सबसे कम स्कोर था। शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी (78) और एलिसा हीली (99) के शानदार अर्द्धशतकों के साथ अपनी बल्लेबाजी पारी पर नियंत्रण कर लिया जबकि एनाबेल सदरलैंड के शानदार दोहरे शतक ने मेजबान टीम को आगे बढ़ने में मदद की। सदरलैंड ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाली पांचवीं खिलाड़ी थीं। सदरलैंड ने केवल 248 गेंदों पर अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक पूरा किया, जिससे यह महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक बन गया। पिछला सर्वश्रेष्ठ करेन रोल्टन का 306 गेंदों पर था। वह दोहरा शतक बनाने वाली सबसे कम उम्र की ऑस्ट्रेलियाई महिला भी बन गईं। वह 210 रन पर आउट हुई जिसमें 27 चौके और दो छक्के शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट पर 575 रनो पर पारी घोषित कर दी थी, जो महिलाओं के टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर है।

महिला प्रीमियर लीग 23 फरवरी से

मुंबई : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का दूसरा सीजन 23 फरवरी को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले जाने वाले पहले मैच के साथ शुरू होगा। शनिवार को यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि टूर्नामेंट का पहला चरण बेंगलुरु में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा चरण और प्लेऑफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा।

यूपी की आकांक्षा वर्मा भारतीय ट्रैक साइकिलिंग टीम में चयनित

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की साइकिलिस्ट आकांक्षा वर्मा का चयन आगामी एशियन ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में कर लिया गया है। एशियन ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप आगामी 21 से 26 फरवरी 2024 तक नई दिल्ली के आईजी स्पोर्टस काम्पलेक्स में बने साइकिलिंग वेलोड्रम में होगी। इस चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए भारतीय साइकिलिंग टीम के चयन के लिए ट्रायल साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 17 एवं 18 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित किया गया है। भारतीय टीम में जगह बनाने वाली अयोध्या की निवासी आकांक्षा वर्मा पिछले एक माह से नई दिल्ली में भारतीय साइकिलिंग टीम के कोच के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही है। अब वह एशियन ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए चयनित कर ली गई है। आकांक्षा के चयन पर उत्तर प्रदेश साइकिलिंग एसोसिएशन के चेयरमैन धीरेंद्र सिंह सचान (आईएएस, विशेष सचिव-चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश सरकार), अध्यक्ष राम सकल गुर्जर अध्यक्ष व सचिव आरके गुप्ता के साथ डा.आनंद किशोर पांडेय (निदेशक, स्पोर्ट्स नेटवर्क एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखनऊ साइकिलिंग एसोसिएशन) ने उसे बधाई देते हुए आगामी एशियन चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

जडेजा के भारत में 200 टेस्ट विकेट पूरे, बेयरस्टो आठवीं बार जीरो पर आउट

राजकोट : इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत ने 322 रन की बढ़त हासिल कर ली है। राजकोट में शनिवार को 207/2 के स्कोर से दिन की शुरूआत करने वाली इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 319 रन पर ऑलआउट हो गई। रवींद्र जडेजा ने इस पारी में 2 विकेट लेने के साथ ही भारतीय मैदानों पर 200 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी 500 विकेट का आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह ने रिकॉर्ड 9वीं बार इंग्लैंड के दिग्गज बैटर जो रूट को पवेलियन भेजा। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भारत में 200 विकेट पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही वे भारत में इतने विकेट पूरे करने वाले 5वें भारतीय बन गए हैं। पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले के नाम भारत में सबसे ज्यादा 350 विकेट हैं। दूसरी ओर जडेजा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी 500 विकेट पूरे कर लिए। वहीं इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जॉनी बेयरस्टो टेस्ट में रिकॉर्ड 8वीं बार भारत के खिलाफ बिना खाता खोले आउट हो गए। वे भारत के खिलाफ ही सबसे ज्यादा बार डक पर पवेलियन लौटे। भारत के अलावा वे पाकिस्तान के खिलाफ 2 और आयरलैंड के खिलाफ 2 बार डक पर आउट हुए। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट 9वीं बार जसप्रीत बुमराह के शिकार बने। किसी भी भारतीय गेंदबाज द्वारा यह सबसे बड़ा नंबर है। इसके अलावा आर अश्विन और रवींद्र जडेजा इस इंग्लिश बल्लेबाज को 6-6 बार आउट कर चुके हैं। रूट को सबसे ज्यादा बार ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा कप्तान पैट कमिंस ने आउट किया। कमिंस ने उन्हें 11 बार चलता किया है। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में सेंचुरी लगाई। इसी के साथ वे होम सीरीज में पिछले 10 साल में 400 प्लस रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बैटर बने। इससे पहले रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2019-20 की फ्रीडम ट्रॉफी में 3 मैचों में 529 रन बनाए थे।

तेंदुलकर के दौरे से कश्मीरी बल्ला निर्माताओं में उत्साह

श्रीनगर, वार्ता : महान सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर में एक बल्ला निर्माण इकाई का दौरा किया, जिससे उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने की संभावना है। तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजलि और बेटी सारा ने शनिवार को चारसू अवंतीपोरा में एमजे स्पोर्ट्स बैट निर्माण इकाई का दौरा किया और लगभग एक घंटा बिताया। एमजे स्पोर्ट्स के मालिक मोहम्मद शाहीन ने बताया कि तेंदुलकर की यात्रा से कश्मीर विलो बैट को काफी बढ़ावा मिलेगा, जिसकी काफी मांग है। क्रिकेट के दिग्गज को कश्मीर क्रिकेट बल्लों के बारे में बहुत सारी जानकारी थी और उनके कुछ सवाल भी थे। वह हमारे क्रिकेट बल्लों की गुणवत्ता से बेहद प्रभावित थे। तेंदुलकर बल्ला निर्माता इकाई में कम से कम एक घंटे तक रुके। दक्षिण कश्मीर में 300 से अधिक बैट निर्माण इकाइयां हैं जो देश के भीतर और बाहर लगभग चार मिलियन क्रिकेट बैट की आपूर्ति करती हैं।

अलकराज सेमीफाइनल में

इतालवी क्वालीफायर एंड्रिया वावसोरी को 7-6 (1), 6-1 से हराया

● ब्यूनस आयर्स,

स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने इतालवी क्वालीफायर एंड्रिया वावसोरी पर 7-6 (1), 6-1 से जीत के साथ अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले पर एक घंटे 40 मिनट के खेल में जीत हासिल करने के लिए 27 रिटर्न पॉइंट जीते। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अलकराज ने अपने 153वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि पहले सेट में वह इतने ऊंचे स्तर पर खेले। उनकी सर्विस वापस करना और हवा के साथ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में वापसी करना वास्तव में कठिन था। उन्होने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सेट में बेहतर खेला। मुझे लगता है कि उसका स्तर थोड़ा नीचे चला गया, साथ ही उसकी सर्विस भी खराब हो गई।

मैंने कुछ रिटर्न लगाए, अपने मौके बनाए और मुझे लगता है कि यही अंतर था। फाइनल में जगह बनाने के लिए अलकराज का शनिवार को चिली के तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस जैरी या छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी से मुकाबला होगा। इससे पहले, अर्जेंटीना की जोड़ी फेडेरिको कोरिया और फैकुंडो डियाज ने दूसरे सेमीफाइनल में सेबस्टियन बाएज और दुसान लाजोविच को हराकर अपनी जगह पक्की कर ली थी। कोरिया ने हमवतन बाएज को 6-1, 6-4 से हराया और डियाज ने सर्बिया के लाजोविच को 6-4, 6-3 से हराया।

भारतीय महिला टीम पहली बार फाइनल में

बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप 2024 : जापान को हराया, खिताबी मुकाबला आज थाईलैंड से

● थाईलैंड,

भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गई है। भारतीय महिलाओं ने पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी दौर में जगह बनाई है, जहां उनका सामना आज थाईलैंड से होगा।

मलेशिया में चल रही चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में शनिवार को भारत ने दो बार की चैंपियन जापान को 3-2 से हराया। प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल में थाईलैंड ने इंडोनेशिया को 3-1 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इस चैंपियनशिप में मेडल पक्का किया है। पहले मुकाबले में पीवी सिंधु को आया अहोरी के हाथों 17-21, 2-22 की हार का सामना करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर-23 त्रिशा जोली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने डबल्स मैच में नामि मात्सुयामा और शाइदा को 21-17, 16-21, 22-20 से हराया। इससे स्कोर 1-1 से बराबर हुआ। अस्मिता चालिहा ने नओमी ओकूहारा को 21-17, 21-14 से हराया और भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। अश्विनी और पीवी सिंधु की जोड़ी रेना और अयाको से 14-21, 11-21 से हार गई। इस हार से स्कोर 2-2 की बराबरी पर आ गया। 17 साल की अनमोल खरब ने नात्सुकि निदाइरा को 21-14, 21-18 से हराते हुए भारत को 3-2 की जीत दिला दी। इससे पहले भारतीय विमेंस टीम ने क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को हांगकांग को 3-0 से हराया था। टीम ने पहली बार टॉप-4 में प्रवेश किया। इसी के साथ महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट में मेडल पक्का कर लिया। अब भारत का मुकाबला जापान से होगा। टॉप सीड चीन को हराकर ग्रुप स्टेज में टॉप पर रहने के बाद भारत ने पीवी सिंधु, अस्मिता चालिहा और अश्विनी पोनप्पा तथा तनीषा क्रास्टो की डबल्स जोड़ी की जीत के दम पर हांगकांग को हराया। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने चोट के कारण चार महीने बाद शानदार वापसी की है। क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में सिंधु ने लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ मजबूत शुरूआत की। उन्होंने हैप्पी के खिलाफ 21-7, 16-21, 21-12 से जीत दर्ज करके भारत को बढ़त दिला दी। तनिषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की विमेंस डबल्स जोड़ी क्वार्टर फाइनल के दूसरे मैच में युंग नगा टिंग और युंग पुई लैम की जोड़ी को हराया। वर्ल्ड की 21वीं रैंक की क्रैस्टो और पोनप्पा की जोड़ी ने 18वीं रैंक की जोड़ी को 21-10, 21-14 से हराकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के काफी करीब पहुंचा दिया।

लखनऊ मंडल और वाराणसी मंडल के बीच होगी खिताबी जंग

लखनऊ : लखनऊ मंडल व वाराणसी मंडल ने प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय सब जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के समन्वय से क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ द्वारा केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल में वाराणसी मंडल ने अयोध्या मंडल को 27-12 गोल से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान लखनऊ मंडल ने प्रयागराज मंडल को करीबी मुकाबले में 9-5 से शिकस्त दी। लखनऊ की ओर से एक बार फिर डाली ने कमाल दिखाया और अकेले ही पांच गोल दागे। वहीं प्रयागराज से वैष्णवी दीक्षित ने चार गोल किए लेकिन टीम की हार टाल नहीं सकी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज लखनऊ मंडल व वाराणसी मंडल के बीच होगा।

काजू करी

बहोत से घरो में काजू करी एक आम पकवान है। लोग बड़े स्वाद से इस डिश को खाते है, बहोत कम सजियों में ही काजू का उपयोग किया जाता है। और काजू करी को भी काजू की ग्रेवी बनाकर ही पकाया जाता है। तो आइये स्वादिष्ट काजू करी बनाने की विधि जानते है -

काजू करी बनाने की सामग्री

1) 2 चम्मच बटर
2) 1 चम्मच लहसुन-अदरक का पेस्ट
3) 3 चम्मच प्याज का पेस्ट
4) 2 चम्मच काजू का पेस्ट
5) 1 चम्मच खसखस का पेस्ट
6) 2 चम्मच नारियल का पेस्ट
7) 2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
8) 2 छोटे चम्मच गरम मसाला पाउडर
9) 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
10) 3 चम्मच फ्रेश क्रीम
11) 2 चम्मच दूध
12) स्वादानुसार नमक
13) जरुरत के मुताबिक खाने का तेल
14) 1 कप काजू

काजू करी बनाने की विधि

बर्तन में बटर डालकर गर्म करे और उसमे अदरक-लहसुन और प्याज का पेस्ट डाले। 3 मिनट तक मिश्रण को तले. अब मिश्रण में काजू, खसखस और नारियल का पेस्ट डाले और तैयार मिश्रण को अच्छी तरह मिलाये।

बाद में उसमें लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और हल्दी पाउडर डाले. मिश्रण को अच्छी तरह मिलाये और अब उसमे फ्रेश क्रीम, दूध और नमक मिलाये। मिश्रण को अच्छी तरह मिलाये और 2 मिनट तक तलते रहे और अलग रख दे।

अब एक कढाई में तलने के लिये तेल डालकर गर्म करे। अब गर्म तेल में काजू को तले और ग्रेवी तैयार करे। ग्रेवी को अच्छी तरह मिलाकर उसे परोसे।

दही कबाब

सामग्री

400 द्रग्र दही, 2 हरी मिर्च कटी हुई, 1 चुटकी काला नमक, ½ चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक,

आवरण करने की सामग्री –

ब्रेड के 10 टुकड़े जिसके बाहरी भूरे कोने कटे हुए हो, तलने के लिए तेल

दही के कबाब बनाने की विधि

दही के कबाब बनाना शुरू करने के लिए, हम पहले गाढ़ा दही बनाएंगे। आप किसी भी तरह के गाढ़े दही का उपयोग कर सकते हो क्योकि गाढे दही में छांछ नही होती।

गाढ़ा दही घर पर बनाने के लिये दही को किसी मलमल के कपड़े में प्रवाहित करे। इसके बाद कपड़े के चारो कोनो को बांध दीजिये और उसे रसोईघर में ही 2 घंटे तक जमीन से थोड़ा उपर बांधकर रखे। ऐसा करने से केवल गाढ़ा दही ही कपड़े में बचेंगा और पतला दही बाहर निकल जाएंगा। कपड़े को उपर टांगते समय उसके निचे कोई बर्तन जरुर रखे ताकि गाढे दही में से छांछ अलग हो जाये और वह छांछ बर्तन में गिरे। इसके बाद दही को रात भर फ्रिज में रखे और अब आपको इसकी चिंता करने की कोई जरुरत नही है की दही गाढ़ा होंगा या नही।

यदि दही में से छांछ अलग हो जाये, तो फिर दही को किसी भगोने में डालकर रखे, उसमे बची हुई सामग्री यानी काला नमक, चाट मसाला और नमक मिला सके और एक-एक करके उसमें सामग्री मिलते रहे।

इसके बाद एक-एक करके ब्रेड के टुकड़ो को पानी में 2 सेकंड तक भिगोए और फिर उसे हाँथो से निचोड़कर उसमे से पानी अलग करे।

अब दही के मिश्रण का एक चम्मच लेकर उसे ब्रेड के टुकड़े के बिच में रखे। रखने के बाद टुकड़े का रोल बनाये और फिर उसके दोनों किनारों को बंद करे और देखे की दही का मिश्रण ब्रेड के टुकड़े में सभी तरफ से ढँका हुआ हो। ढकने के बाद आप कबाब को कोई भी आकार दे सकते हो। इसी प्रक्रिया को ब्रेड के दुसरे टुकड़ो के साथ भी दोहराए।

इसके बाद ढलवा लोहे की कढाई / तवे को गर्म करे। इसके बाद दही से भरे कबाब को तवे पर रखे। उस पर थोड़ा तेल छिडके और धीमी आँच पर उसे तलते रहे। तबतक तलते रहे जबतक की कबाब की बाहरी सतह थोड़ी कठोर नही हो जाती। तलते समय उसे थोड़ा चम्मच से हिलाते रहे। तब तक तलते रहे जब तक की कबाब हल्के भूरे नही हो जाते। इसी प्रक्रिया को अब बचे हुए कबाब के साथ भी दोहराए। अब दही कबाब को पुदीने की चटनी के साथ परोसिए।

कंट्रोल हो जाएगा हाई ब्लडप्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर को मापना आसान है और यह हमारे स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दे सकता है। उम्र बढने के साथ ब्लडप्रेशर में वृद्धि होती है। युवाओं में यह लगभग 120/80 एमएमएचजी होता है। यहां पर 120 का अंक सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर कहा जाता है, जिसे आम भाषा में ऊपर का ब्लडप्रेशर कहते हैं। इसी तरह नीचे के ब्लडप्रेशर जैसे 80 को डाइस्टोलिक यानी नीचे का ब्लडप्रेशर कहा जाता है। बुजुर्गो में सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर प्रमुख रूप से बढ़ता है, जो लगभग 160/80 एमएमएचजी हो सकता है। युवाओं में 140 सिस्टोलिक से ऊपर ब्लडप्रेशर के होने और बुजुर्गो में 150 से अधिक होने पर आगे निगरानी की जरूरत होती है।

दुष्प्रभाव

हाई ब्लडप्रेशर धमनियों को क्षति पहुंचाता है, जो हमारे शरीर के प्रत्येक अंग को रक्त की आपूर्ति करती हैं। हाई ब्लडप्रेशर दिल का दौरा पडने का कारण बन सकता है।

यह गुर्दे या किडनी के अलावा आंख को भी नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा हाई ब्लडप्रेशर से मस्तिष्क की नसें फट सकती हैं।

लक्षण

हाई ब्लडप्रेशर के रोगियों में घबराहट का लक्षण प्रकट हो सकता है। सामान्य कार्य करने में बेचैनी के चलते उसे दिक्कत होती है। कुछ लोगों को सिर में भारीपन महसूस होता है, लेकिन कुछ लोगों में इसके कोई लक्षण प्रकट नहीं होते। इसलिए ब्लडप्रेशर की समस्या से ग्रस्त लोगों को नियमित रूप से जांच कराना चाहिए। ब्लडप्रेशर का पता अब इलेक्ट्रॉनिक मॉनीटर से भी लगा सकते हैं।

हाई ब्लडप्रेशर से आंखों में हुई क्षति का पता लगाने के लिए हमें अपनी रेटिना की धमनियों की जांच नेत्र विशेषज्ञ से करानी चाहिए। इसी तरह हृदय की क्षति की जांच ईसीजी से और गुर्दे की जांच पेशाब और रक्त की जांच से संभव है। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि हाई ब्लडप्रेशर युवाओं को भी प्रभावित कर रहा है। नियमित रूप से 20 और 40 वर्ष की उम्र के लोग हाई ब्लडप्रेशर के कारण परामर्श लेने आते हैं। जबकि 10 साल पहले ऐसे मामले कभी-कभार ही सामने आते थे। तनावपूर्ण जीवन शैली युवावस्था में हाई ब्लडप्रेशर से ग्रस्त होने का एक प्रमुख कारण है। अनियमित खान-पान व फलों और सब्जियों के बजाय जंक फूड्स और चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों को ग्रहण करना और नमक का अधिक सेवन हाई ब्लडप्रेशर के जोखिम को बढ़ा देता है।

इलाज

हाई ब्लडप्रेशर को नियंत्रित करने के लिए अनेक दवाएं उपलब्ध हैं, जिन्हें डॉक्टर के परामर्श से ही लेना चाहिए। इसके अलावा जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन करें। वजन को नियंत्रित रखें और धूम्रपान व शराब से परहेज करें। शारीरिक परिश्रम करें। प्रतिदिन व्यायाम करें। ऐसा इसलिए, क्योंकि ब्लडप्रेशर के बढ़ने का तनाव के बढ़ने से निकट का सीधा संबंध होता है। लोग अक्सर दवाएं लेने से इस कारण बचते हैं कि उन्हें स्थायी रूप से इन दवाओं को लेना होगा और ऐसी दवाओं के दुष्प्रभावों को लेकर भी वे चिंतित होते हैं।

याद रखें

- नियमित रूप से ब्लडप्रेशर की निगरानी करें। भले ही कोई लक्षण प्रकट न हों।
- यदि हाई ब्लडप्रेशर की दवा शुरू हो चुकी है, तो डॉक्टर के परामर्श से दवाएं लें। ब्लड प्रेशर केसामान्य होने पर भी दवाओं को जारी रखना चाहिए।
- स्वास्थ्य की स्थिति में परिवर्तन होने, साइड इफेक्ट के कारण दवा के बदलने के बारे में डॉक्टर से परामर्श लें।

आइये जानते हैं लौकी के जूस को पीने से सेहत को होने वाले लाभ के बारे में।

सेहत में चार चांद लगाता लौकी जूस

लौकी चाहे सब्जी के रूप में खाएं या इसका रस पिएं। जी हां बोरिंग सा लगने वाला ये लौकी जूस आपको सेहत के ढेर सारे उपहार दे सकता है। आइये जानते हैं लौकी के जूस को पीने से सेहत को होने वाले लाभ के बारे में।

शरीर के विषाक्त को निकालता है बाहर– लौकी का रस शरीर के विषाक्त को बाहर निकालने का सबसे बेहतरीन तरीका है। रोजाना सुबह एक गिलास लौकी का रस खाली पेट पीने से - की सारी गंदगी बाहर निकल जाती है।

शरीर को डीटॉक्स करे

खाली पेट एक ग्लास लौका का जूस पीने से आपको ताजगी और एनर्जी दोनों महसूस होती है। इस जूस में 98त्न पानी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकाल देते हैं। इसे पीने से शरीर को ठंडक भी मिलती है।

वजन घटाने में करता है मदद

लौकी के रस में कैलोरी और फैट बहुत कम होता है इसलिए जो लोग वजन घटाना चाहते हैं उनके लिए ये बहुत फायदेमंद साबित होता है। इसमें मौजूद फाइबर देर तक भूख नहीं लगने देता।

दिल को सेहतमंद रखे

एक स्टडी के मुताबिक, 90 दिन तक खाली पेट ताज़ा लौकी का जूस (200एमएल) पीने से ब्लड में कोलेस्ट्रॉल घट जाता है। ये ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में भी बहुत कारगर है।

कब्ज करता है दूर

कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो सुबह उठकर एक गिलास लौकी का रस पी लें। इसमें मौजूद फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है।

गंजापन करें दूर

लौकी के रस को तिल में मिलाकर लगाने से गंजापन दूर होता है साथ ही जिनके बाल झड़ते हैं उनके लिए ये सबसे बेहतर है। साथ ही लौकी के रस के नियमित सेवन से सफेद हो रहे बाल फिर से काले होने लगते हैं।

इन तरीकों से मसाले नहीं होंगे खराब

मसाले हमारे खाने के स्वाद को बदल कर रख देते है। इनकी मेहक और ताजगी हर जायके का स्वाद बढ़ा देती है। हम लोग कई तरह के मसालों का इस्तेमाल करते है लेकिन कई मसाले ऐसे होते है, जिनका इस्तेमाल कभी-कभार किया जाता है। ऐसे में मुश्किल होता है कि इन मसालों को लंबे समय तक कैसे रखा जाए। ताकि इनमें सीलन ना आएं। आज हम ऐसे तरीके बताएंगे, जिनको फॉलो कर आप मसालों को लंबे समय तक सीलन रख सकते है।

1. सूखा स्थान – हर्ब और मसालों को हमेशा किसी सूखे स्थानों पर ही रखें। ऐसा करने से यह सीलन से तो बचे ही रहेंगे साथ ही कीड़े भी नहीं पड़ेंगे।

2. रोशनी वाली जगह– जिस जगह पर रोशनी होती है वहा मसालों को ना रखें क्योंकि यह रोशनी मसालों का स्वाद गायब कर देते है।

3. डार्क जार– मसालों को पारदर्शी जार में रखने के बजाएं किसी डार्क जार में रखें।

4. फ्रिज में ना रखें – मसालों को फ्रिज में रखने से उनका फ्लेवर खत्म होने लगता है।

आईलाइनर एक ऐसा जादू है जो आपकी लुक को बदल कर आपको ज्यादा कान्फीडेंट बना देता है। आईलाइनर की एक छोटी सी लाइन आपके मेकअप के अंदाज को ही बदल देती है। इसे लगाने के भी बहुत सारे स्टाइलिश तरीके हैं जो आपकी आंखों को खूबसूरत और अट्रैटिव बनाते हैं। यहां जानिए बेहतरीन आइलाइनर ट्रेंड्स जिनसे आप भी अपनी आंखों को जादुई आर्कषण दे सकती हैं।

आईलाइनर लगाने के स्टाइलिश तरीके

1. सिंगल स्ट्रोकः यह एक ऐसा लुक है जो हमेशा ट्रेंड में रहता है। ऑफिस में सिंगल स्ट्रोक ही फॉर्मल लुक देता है। आपको शॉपिंग पर जाना हो, तो यह आपके लिए परफैक्ट च्वॉइस है। इसके लिए आप काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। छोटी आंखों के लिए लाइनर को थोड़ा मोटा लगाएं और किनारों तक फैलाएं।

2. कैटी आईज़ः अगर आप बोल्ड कैटी आईज़ पाना चाहती हैं तो नीचे की पलक की तुलना में ऊपर की पलक पर लाइनर से मोटी लाइन बनाएं। इसके बाद आंख के बाहरी कार्नर से लाइन को बाहर की ओर निकाल दें।

3. स्मज्ड जेल आईज़ः आंखों पर स्मजिंग भी ट्रैंड में है। जेल आईलाइनर से ऊपर की पलकों पर पतली लाइन बनाएं और फिर इसे स्मजिंग टूल की मदद से फैलाएं। इससे आपको एक सेक्सी लुक मिलेगा।

इसके साथ ही ऊपर और नीचे की पलकों पर मस्कारा जरूर लगाएं। इससे यह लुक और भी शानदार बन जाएगी।

4. स्मोकी आईज़ः यह आपकी आंखों को ग्लैमरस लुक देता है। पलकों पर लाइनर लगाएं फिर धीरे-धीरे स्मजिंग करके इसे मुलायम बनाएं। इसे और इम्प्रैससिव बनाने के लिए डार्कर आई शैडो लगाएं और इसे स्मज किए हुए लाइनर के साथ अच्छे से मिला लें। शादी और पार्टी में जाना हो तो स्मोकी आईज़ बैस्ट ऑप्शन है।

5. कंट्रास्ट कनेक्शनः कलर ब्लास्ट या कंट्रास्ट लाइनर भी आजकल काफी ट्रैंड में है। पहले किसी भी रंग के आई शैडो को आंख की ऊपरी पलक पर लगाएं और दोनों तरफ से थोड़ा बाहर निकालें। इसके बाद आप नॉर्मल लाइनर लगाएं यानी न मोटा न ज्यादा पतला।

6. ग्लिटरी आईज़ः ग्लिटरी आई मेकअप ग्लैमर के साथ साथ चमक भी बिखेरता है। फैस्टिव सीजन के लिए यह एक बेहतरीन स्टाइल है। आपको करना सिर्फ इतना है कि ट्रैडिशनल आई लाइनर पर एक लाइन ग्लिटर की एड करनी है।

मिल्क पैडीक्योर से बनाएं पैरो को खूबसूरत

आपने अक्सर देखा होगा कि कई लड़कियां अपने चेहरे को निखारने के लिए तरह-तरह के ट्रीटमेंट अपना लेती है लेकिन पैरों की और ध्यान नहीं दे पाती है। पैर अक्सर काम की थकान और घूल-मिट्टी की गदंगी से गंदे हो जाते हैं। पैरों को मिल्क पैडीक्योर से भी निखारा जा सकता है। इससे पैर कोमल और खूबसूरत होंगे। आइए जानते हैं मिल्क पैडीक्योर करने के तरीके के बारे में...

1. दूध के पानी में पैरों को भिगोएं– पैडीक्योर करने से पहले नाखूनों की सफाई कर लें। इनसे नेलपॉलिश उतार दें। इसके बाद सादे पानी में पानी से पैरों को धो लें। इसके बाद गर्म पानी में नमक, चीनी और दूध मिला लें और 15 से 20 मिनट तक इसमें डुबो कर रखें।

2. नाखून साफ करें– पानी में भिगने से नाखूनों की त्वचा मुलायम हो जाती है। ऐसे में आप अपने नाखूनों को ट्रिम करें और उनको अंदर से साफ करें। अब पैरों को पैडीक्योर ब्रश से साफ कर लें। फिर नेल बफर का इस्तेमाल करके बफ, स्मूदन और शाइन इन तीन स्टेप्स को फॉलो करें।

3. मसाज करें– पैरों की त्वचा काफी नाजूक होती है। इसलिए हम पैरों पर कुछ भी लगाने से डरते है। ऐसे में पैरों को स्क्रब करने के बजाएं दूध के साथ पैरों की मसाज करें। इससे पैरों में नमी आ जाती है साथ ही डेड स्किन निकल जाती है।

4. थकान गायब– ज्यादा चलने से पैरों में थकान सी रहती है। इसलिए गुनगुने पानी में एसेंसिअल ऑयल जैसे लेवेंडर या ट्री ऑयल की कुछ बूंदे पानी में मिलाएं और इसमें अपने पैरो को डुबो लें।

5. टैनिंग हटाएं– दूध में पाया जाने वाला लैक्टिक एसीड त्वचा को मुलायम बनाता है।

कई तरह के ब्यूटी प्रॉटक्टस में दूध का इस्तेमाल किया जाता है। यह टैनिंग दूर करने के सबसे अच्छा उपाय है।

मृणाल ने बैक टू बैक साउथ की दो और साइन फिल्में की

मृणाल ठाकुर इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक है। बीते कुछ समय में वे एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में नजर आईं। अपने अभिनय और दमदार भूमिका से मृणाल ने एक अलग पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। टीवी की दुनिया से निकलकर मृणाल बड़े पर्दे पर नजर आईं और दर्शकों के दिल में खास जगह बना ली। कई सफल हिंदी फिल्मों में काम करने के बाद अभिनेत्री अब साउथ इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में जुटी हुई हैं। इस बीच चर्चा है कि मृणाल ने तमिल के दो दिग्गज निर्देशकों की फिल्मों को साइन किया है। हाल ही मृणाल तेलुगु फिल्म हाय नन्ना में नजर आई थी। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए मृणाल की खूब सराहना हुई थी। रिपोर्ट्स की माने तो अब मृणाल एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे शिवकार्तिकेयन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। इस फुल ऑन एंटरटेनमेंट फिल्म का नाम एसके 23 है। इसके अलावा सिम्बु जिन्हें एसटीआर के नाम से भी जाना जाता है। उनकी 48वीं फिल्म में भी मृणाल रोमांस करती नजर आएंगी। इस फिल्म को देशसिंह पेरियासामी निर्देशित करेंगे। वहीं, कमल हासन इस फिल्म से निर्माता के तौर पर जुड़े हुए हैं। इन दोनों फिल्म में मृणाल के काम करने की चर्चा ने साउथ में उनके फैंस को उत्साहित कर दिया है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, मृणाल विजय देवरकोंडा के साथ अपनी अपकमिंग तेलुगु फिल्म फैमिली स्टार की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन परशुराम पेटला कर रहे हैं, जो 5 अप्रैल, 2024 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में भाषा में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेत्री नवजोत गुलाटी की पूजा मेरी जान में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ हुमा कुरैशी ने मुख्य भूमिका में हैं।

साउथ मूवी के लिए जान्हवी ने बढ़ाई फीस

फिल्म धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जान्हवी कपूर की गिनती आज इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। महज छह साल में जान्हवी ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है। अगले कुछ महीनों में जान्हवी की कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा जान्हवी साउथ की भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस दौरान वे जूनियर एनटीआर और राम चरण जैसे सुपरस्टार्स के साथ नजर आएंगी। इस बीच यह भी खबर सामने आ रही है कि जान्हवी ने इन फिल्मों के लिए अपनी फीस बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देवरा में जान्हवी सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन कोराटाला शिवा ने किया है, जो पहले 5 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, बाद में मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज को टाल दिया। इस बीच यह भी खबर सामने आई कि जान्हवी को राम चरण की अगली फिल्म आरसी 16 में मुख्य भूमिका के लिए साइन किया गया। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। अब चर्चा है कि इन फिल्मों के लिए जान्हवी ने अपनी फीस बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स की माने तो जान्हवी कपूर ने जूनियर एनटीआर स्टारर फिल्म देवरा के लिए पहले 5 करोड़ रुपए की फीस मांगी थी, लेकिन उन्होंने अपनी फीस को बढ़ा दिया है। जान्हवी अब इस फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये की मांग कर रही हैं। हालांकि, अभी तक जान्हवी या उनकी टीम की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके अलावा जान्हवी राम चरण की अगली फिल्म असली 16 के लिए 6 करोड़ रुपये की भारी फीस चार्ज कर रही हैं, जो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनके सामान्य फीस से काफी अधिक हैं। गौरतलब है कि मेकर्स द्वारा आरसी 16 में सामंथा रुथ प्रभु को मुख्य भूमिका निभाने के लिए बातचीत चल रही है। हालांकि, इससे जुड़ी किसी भी जानकारी की आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

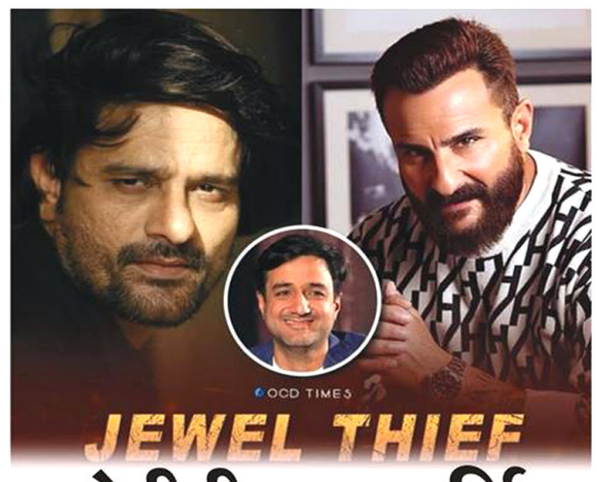

ओटीटी पर प्रदर्शित होगी सैफ और जयदीप अहलावत की ज्वैल थीफ

वॉर, पठान और फाइटर जैसी बैक टू बैक ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में देने के बाद सिद्धार्थ आनंद की चर्चा उनकी अगली फिल्म को लेकर तेज है। पिछले दिनों खबर आई थी कि सैफ अली खान और सिद्धार्थ आनंद डकैती पर आधारित एक फिल्म के लिए हाथ मिलाएंगे। इस थ्रिलर फिल्म में सैफ एक रेस्क्यू मिशन के लिए वक्त से रेस लगाते दिखाई पड़ेंगे। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अब यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी। कई वेब सीरीज में नजर आ चुके अभिनेता जयदीप अहलावत का इस फिल्म में बहुत अहम रोल होगा और ताजा जानकारी के मुताबिक इसका नाम ज्वेल थीफ फाइनल किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म का देव आनंद की फिल्म से कोई लेना देना नहीं होगा, सिर्फ इसका टाइटल 1967 में आई फिल्म वाला है। बाकी इसकी कहानी से लेकर स्टार कास्ट और हर चीज को नया रखा जाएगा। सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म का टाइटल अपने बैनर तले रजिस्टर करा लिया है। जब सिद्धार्थ आनंद से पूछा गया कि वो अपने प्रोडक्शन हाउस मारफ्लिक्स को कैसे डिफाइन करेंगे तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं यहां पर कुछ बहुत कमाल की एक्शन फिल्में बनाना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह वो स्पेस है जिसमें मुझे मेरी पुकार मिली है। हमने शुरुआत की है और हमें कुछ बहुत कमाल की फिल्में मिली हैं। तो उम्मीद है कि आपको मारफ्लिक्स से कुछ मजेदार एक्शन फिल्में मिलेंगी।

अभिनय के दम पर चलती हैं इन सितारों की फिल्में

बॉलीवुड इंडस्ट्री में फिल्म के रिलीज से कुछ दिनों पहले प्रमोशन किया जाता है। शायद ही कोई फिल्म स्टार ऐसा होगा, जो अपनी फिल्मों का प्रमोशन न करता हो। मगर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। साउथ सितारों का मानना है कि फिल्म की कहानी अच्छी होगी, तो दर्शक खुद ही मूवी को देखने के लिए सिनेमाघरों में आएंगे। दिलचस्प बात यह है कि साउथ के ये स्टार फिल्म को प्रमोट ही नहीं, बल्कि कॉन्ट्रैक्ट में भी लिखवाते है कि शूटिंग पूरी होने के बाद मूवी को प्रमोट नहीं करेंगे।

रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत साउथ इंडस्ट्री में थलाइवा के नाम से जाने जाते हैं। अभिनेता का क्रेज साउथ में लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। साउथ में रजनीकांत की फिल्में उनके दमदार अभिनय से चलती हैं। अभिनेता कभी अपनी फिल्मों का प्रमोशन नहीं करते हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म लाल सलाम का भी कोई प्रमोशन नहीं किया था। बता दें कि, उनकी इस फिल्म का निर्देशन उनकी बेटी ऐश्वर्या रजनीकांत ने किया है।

नयनतारा

साउथ सिनेमा में लेडी सुपरस्टार के नाम से मशहूर अभिनेत्री नयनतारा भी अपनी फिल्मों के प्रमोशन से बचती हैं। अभिनेत्री ने अपनी ब्लॉकबस्टर बॉलीवुड फिल्म जवान को भी प्रमोट नहीं किया था। इसके बावजूद भी नयनतारा का क्रेज ऐसा है कि लोग दौड़कर सिनेमाघरों में उनकी मूवी देखने पहुंचते हैं।

दलपति विजय

अभिनेता दलपति विजय भी अपनी फिल्मों का प्रमोशन नहीं करते हैं। अभिनेता की सभी फिल्में, सिर्फ उनके नाम से ही चलती हैं। इतना ही नहीं, विजय फिल्मों की रिलीज के समय मीडिया से बातचीत करने से भी बचते हैं।

विजय सेतुपति

विजय सेतुपति की गिनती साउथ सुपरस्टार्स में होती है। अभिनेता भी फिल्मों के प्रमोशन से कोसों दूर रहते हैं। अभिनेता ने खुद को बॉलीवुड फिल्म जवान के प्रमोशन से भी दूर रखा था। इस फिल्म विजय सेतुपति के अलावा शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण, नयनतारा, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में थे।

धनुष

अभिनेता धनुष भी फिल्मों का प्रमोशन करने में विश्वास नहीं रखते हैं। उन्होंने अपनी मूवी कैप्टन मिलर का भी प्रमोशन नहीं किया था। साउथ सुपरस्टार रजनीकांत के पूर्व दामाद का मानना है कि फिल्म अच्छी होगी तो दर्शक खुद थियेटर्स में देखने जाएंगे, इसलिए वे अपनी किसी भी फिल्म का प्रमोशन नहीं करते हैं।

टाइगर श्रॉफ ने अजय देवगन के साथ शुरू की सिंघम अगेन की शूटिंग

इंडियन पुलिस फोर्स की सफलता के बाद रोहित शेट्टी अब अपनी कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म सिंघम अगेन की तैयारियों में जुट गए है। इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा टाइगर श्रॉफ भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक रोहित शेट्टी ने बीते साल अक्टूबर में टाइगर श्रॉफ के इस फिल्म शामिल करने की जानकारी दी थी। हाल ही में जॉर्डन में अक्षय कुमार के साथ बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग पूरी करने के बाद टाइगर ने सिंघम अगेन की शूटिंग शुरू कर दी है। अजय देवगन के साथ फिल्म सिटी में टाइगर एक हफ्ते से इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। गौरतलब है कि सिंघम अगेन में टाइगर श्रॉफ एसीपी सत्या की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में टाइगर ने फिल्म में अपनी भूमिका का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसके कैप्शन में टाइगर ने लिखा, एसीपी सत्या रिपोर्टिंग सर। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में टाइगर के बड़े हिस्से को शूट के बाद डिब्बा बंद किया जा रहा है, क्योंकि, इस सप्ताह के बाद अजय अपनी फिल्म शैतान के प्रमोशन में व्यस्त हो जायेंगे। मेकर्स द्वारा तय समय में फिल्म की शूटिंग करने की कोशिश की जा रही है। मेकर्स को उम्मीद है कि फरवरी के अंत तक टाइगर अपने अधिकांश सीन की शूटिंग पूरी कर लेगें। अजय और टाइगर के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी महत्वपूर्ण भूमिका में है। कुछ समय पहले ही मेकर्स ने फिल्म में उनके किरदार का फर्स्ट लुक रिलीज किया है, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया।

बॉलीवुड में वापसी करने को तैयार हैं हेमा मालिनी

हिंदी सिनेमा की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने फिल्मों से दूरी बना ली है और अब वे पिछले काफी समय से राजनीति में सक्रिय हैं। हेमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। हेमा मालिनी और धर्मेंद्र बी टाउन के सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक हैं। दोनों सितारे अपने समय के बड़े सुपरस्टार हैं। हेमा और धर्मेंद्र की ऑन स्क्रीन हो या ऑफ-स्क्रीन केमिस्ट्री, दर्शकों को काफी पसंद आती है। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान हेमा ने बताया कि कैसे उनके पति 88 साल की उम्र में भी भावुक हैं। इसके साथ ही, उन्होंने अपने परिवार के साथ समय बिताने के बारे में भी खुलकर बात की। हेमा मालिनी ने कहा, उन्हें 88 वर्ष की उम्र में भी फिल्मों का शौक है, जो आज के अभिनेताओं में मिलना मुश्किल है। उनका पूरी जिंदगी कैमरे के सामने गुजरी है, लेकिन वे आज भी फिल्मों में काम करने के लिए उत्साहित रहते हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया, वे आज भी फिट रहते हैं, जो एक स्पेशल किरदार निभाने के लिए जरुरी भी है। अभिनेत्री ने 75 साल की उम्र में अपने जीवन पर भी विचार साझा किए। हेमा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे एक ड्रीम गर्ल की अपनी छवि को कायम रखने में सक्षम हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैंने फिल्म उद्योग में दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करते हुए शानदार पारी खेली है। हेमा मालिनी ने कहा, आज भी, अगर कोई अच्छी भूमिका मिलती है, तो मैं उसे कर निभाने के लिए तैयार हूं।

जब तक टीवी है, तब तक मेरे जैसे एक्टर खुश हैं

थिएटर से लेकर टीवी तक में काम करने वाले एक्टर सुमीत राघवन को काम करते हुए काफी लंबा वक्त हो चुका है। एक्टर ने हाल ही में अपने करियर, जर्नी और कई चीजों के बारे में बात की है।

आपको इंडस्ट्री में तीन दशक से ज्यादा समय हो गया है, आज के दौर में आपके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

इंडस्ट्री में काम करते हुए 37 साल हो गए हैं। मुझे नहीं लगता कि किसी प्रकार की चुनौती है। जब तक टीवी है तब तक मेरे जैसे ऐक्टर खुश हैं। मैं अपने आप में भी बतौर इंसान काफी संतुष्ट हूं। मुझे किसी चीज की होड़ नहीं या किसी चीज के लिए भागना नहीं है। मैं जहां हूं, वहां खुश हूं। जहां हूं, अपनी मर्जी से हूं। अपने बलबूते और मेहनत से मैंने अपने लिए एक मुकाम बनाया है, मुझे इसका अभिमान है।

हर किसी के लिए इंडस्ट्री में उसका पहला काम यादगार होता है। आपको सबसे पहली बार किस तरह का काम मिला था और उसको लेकर आपका क्या रिएक्शन था?

मेरा पहला काम आया था 1986 में। फास्टर फैने एक सीरीज थी, जो पूरे भारत में प्रसारित हुई थी। फास्टर फैने का एक किरदार था, जो मराठी पुस्तकों की एक सीरीज आती थी, उसका किरदार था। वो मेरा पहला काम था, जिसे आज भी लोग याद करते हैं।

कभी ये डर नहीं लगा कि कहीं मेरी पहचान सिर्फ एक सीरियल तक ना सिमट जाए?

नहीं, मुझे किसी प्रकार का डर नहीं है। पहचान है ये ही मेरे लिए बड़ी बात है। मैं उससे बहुत खुश हूं। पहले ये सब दिमाग में था कि क्या मैं सिर्फ टीवी ही करूंगा, मुझे तो फिल्मों में भी काम करना है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, आपको अहसास हो जाता है कि आप जो कर रहे हो, सही कर रहे हो। सबकुछ विधि लिखित होता है। आप जो कर रहे हो उसके पीछे एक वजह है। मैं टीवी में काम करते हुए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि महीने के 25-26 दिन आप अपना पसंदीदा काम कर रहे हो तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है।

आपकी बड़ी पहचान टीवी स्टार की है। क्या आप सिर्फ टीवी तक ही रहना चाहते थे या आपका कोई और सपना था?

आपने कहा टीवी स्टार तो स्टार तो है ना। बस इतना ही काफी है। अभी मैं 52 साल का हूं। दो महीनों में मैं 53 साल का हो जाऊंगा। मैं खुश हूं। एक ठहराव आना जरूरी है, जो मुझमें आ चुका है। कुछ चीजें हैं, लेकिन मैं ये नहीं कहूंगा कि अंगूर खट्टे हैं, लेकिन मैंने आज से 30-32 साल पहले फिल्मों के लिए कोशिश की थी, लेकिन वो नहीं हुआ। ठीक है, मैं थिएटर कर रहा हूं। थिएटर से ही मराठी नाटक करते-करते यहां तक पहुंचा हूं। मैंने अपना एक मुकाम बना लिया है। अगर टीवी पर काम आ रहा है और मुझ पर भरोसा करने वाले प्रोडक्शन और चैनल वाले हैं तो फिर कोई बात नहीं है।

साउथ सिनेमा की प्रशंसा में बोले इमरान

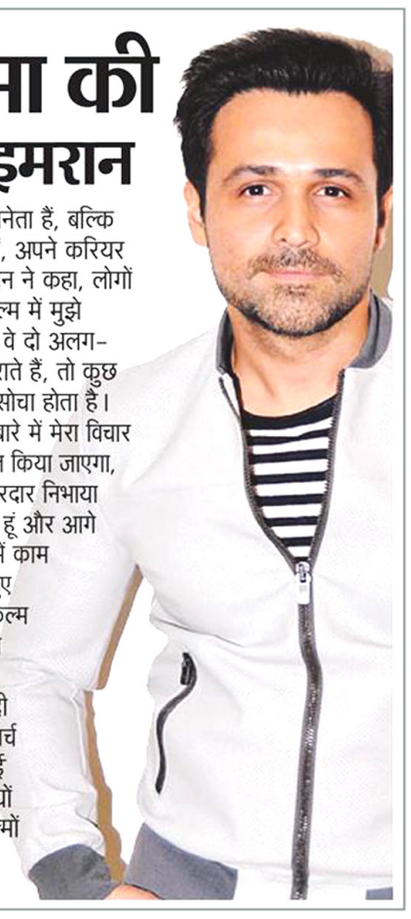

इमरान हाशमी न सिर्फ एक शानदार अभिनेता हैं, बल्कि एक शानदार इंसान भी हैं। एक इंटरव्यू में, अपने करियर के बदलाव के बारे में बात करते हुए इमरान ने कहा, लोगों ने सलमान खान या अक्षय कुमार की फिल्म में मुझे शामिल करने के बारे में नहीं सोचा होगा। वे दो अलग-अलग दुनिया के लोग हैं और जब वे टकराते हैं, तो कुछ ऐसा होता है जो शायद किसी ने भी नहीं सोचा होता है। इमरान ने आगे कहा, पहले खलनायक के बारे में मेरा विचार यह था कि उसे केवल नेगेटिव रूप में चित्रित किया जाएगा, लेकिन उस फिल्म में मैंने एंटी-हीरो का किरदार निभाया था। अब मैं ऐसी भूमिकाओं को अपना चुका हूं और आगे भी ऐसी भूमिकाएं करना चाहता हूं। साउथ में काम करने के अपने अनुभव का खुलासा करते हुए इमरान ने कहा, मुझे लगता है कि दक्षिण फिल्म निर्माता हमसे कहीं अधिक अनुशासित हैं। वे अपनी फिल्म पर खर्च होने वाला हर पैसा स्क्रीन पर दिखाते हैं। मुझे लगता है कि हिंदी फिल्मों में हम अक्सर गलत क्षेत्रों में पैसा खर्च करते हैं और बाद में इसका स्क्रीन पर कोई असर नहीं होता। जब वीएफएक्स,कहानियों के चयन की बात आती है, तो उनकी फिल्मों में दिखती है।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी को लेकर छात्रों से संवाद

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ की निवेश परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह 4.0 आगामी 19 से 21 फरवरी 2024 तक लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है। इसी क्रम में आगामी 19 फरवरी 2024 को जनपद स्तर पर भी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा।

इसी श्रृंखला में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के अवसर पर उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर में विश्वविद्यालय के छात्रों को जागरूक करने के उद्देश्य से सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भेजे गए हैं। जिनके द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम में प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद करते हुए आयोजित होने वाले ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के संबंध में उनको विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी।

इसी कड़ी में सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संजीव मित्तल, निदेशक समाज कल्याण उत्तर प्रदेश कुमार प्रशांत, डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एमिटी यूनिवर्सिटी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी देश दीपक वर्मा, उपाध्यक्ष मुरादाबाद विकास प्राधिकरण शैलेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह ने बैनेट यूनिवर्सिटी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ आई.ए.एस. अविनाश श्रीवास्तव, ए.सी.ई.ओ. ग्रेटर नोएडा आशुतोष कुमार द्विवेदी ने गलगोटिया आई.आई.एल.एम. यूनिवर्सिटी में पहुंचकर छात्रों से संवाद करते हुए राज्य के युवाओं के कौशल विकास और नए उत्तर

विश्वविद्यालय, सेवानिवृत्त वरिष्ठ आई.ए.एस. प्रवीर कुमार, ए.सी.ई.ओ. ग्रेटर नोएडा सौम्य श्रीवास्तव ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय तथा सेवानिवृत्त वरिष्ठ आई.एफ.एस. आर.के. सिंह, विशेष सचिव ऊर्जा विभाग राहुल सिंह ने प्रदेश के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर ध्यान केंद्रित किया। छात्रों एवं शिक्षकों को उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश पर एक फ़िल्म दिखाकर उत्तर प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

74 नए यूनिपोल के लिए ग्रेनो प्राधिकरण ने निकाले टेंडर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 74 नए यूनिपोल के लिए टेंडर निकाल दिए हैं। इन यूनिपोल के आवंटन हो जाने से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को इससे सालाना 10 करोड़ रुपये की आमदनी होने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने शहर में लगे अवैध यूनिपोल को हटाने और नए यूनिपोल का टेंडर कर नए सिरे से आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ के निर्देश पर अमल करते हुए प्राधिकरण के अर्बन सर्विसेज विभाग ने नए यूनिपोल की लोकेशन के टेंडर निकाल दिए हैं। 5साल बाद यूनिपोल के टेंडर हुए हैं। एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि 74 नए यूनिपोल के लोकेशन चिंहित किए गए। इनके लिए टेंडर निकाल दिए गए हैं। सर्वाधिक कीमत की बिड लगाने वाले को ये यूनिपोल आवंटित किए जाएंगे। यूनिपोल के टेंडर की डिटेल और यूनिपोल की लोकेशन को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट www.greaternoidaauthority.in और ई-पोर्टल https://etender.up.nic.in पर भी अपलोड की गई है। इसके लिए 29 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है और 4 मार्च को प्री क्वालिफिकेशन बिड खोली जाएगी। उन्होंने बताया कि लोकेशन के आधार पर इन 74 यूनिपोल के लिए 10 जोन बनाए गए हैं। हर जोन के लिए कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। इन सभी यूनिपोल का आवंटन हो जाने से प्राधिकरण को सालाना 10 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। बता दें, कि करीब 60 यूनिपोल पहले से आवंटित हैं। कंपनियां 3 साल के लिए इन यूनिपोल पर विज्ञापन लगा सकेंगी। इनके आकार व डिजाइन प्राधिकरण के मानकों के हिसाब से ही होंगे। सीईओ एनजी रवि कुमार ने अवैध यूनिपोल और उस पर विज्ञापन लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

ग्रेनो प्राधिकरण को सालाना 10 करोड़ रुपये की होगी आमदनी

‘गर्व से कह सकते हैं कि हम उत्तर प्रदेश के वासी हैं’

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री के सन् 2047 तक विकसित भारत के विजन में योगदान के लिए एमिटी विश्वविद्यालय के युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए और उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास की जानकारी प्रदान करने के लिए एंटरप्रिन्यौर ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा के चांसलर डा असीम चौहान, रितनंद बलवेद एजुकेशन फांउडेशन के ट्रस्टी आनंद चौहान भी उपस्थित रहे।

यूपी के बोर्ड ऑफ रिवेन्यू के चेयरमैन संजीव मित्तल ने छात्रों को उत्तर प्रदेश के विकास के बारे में बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे निवेश कार्यों और 19 फरवरी को लखनउ में हो रही ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह 4.0 का सर्वाधिक लाभ युवाओं के लिए रोजगार सृजन के रूप में होगा। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के माध्यम से प्रदेश कुल 14 हजार 537 परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जायेगा और लगभग 34 लाख से अधिक रोजगार प्राप्त होगें। उन्होनें कहा कि मजबूत कानून व्यवस्था, विभिन्न क्षेत्रों के लिए बनाई गई नीतियां, बेहतरीन ट्रांसपोर्ट का जुड़ाव, सड़कों की व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, आदि विश्व भर के उद्योगपतियों को निवेश के लिए आकर्षित कर रही है। श्री मित्तल ने कहा कि उत्तर प्रदेश, भारत के बड़े राज्यों में एक प्रमुख राज्य है जिसकी सांस्कृतिक धरोहर, भारत में पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या को

आमंत्रित करती है। 6 आपरेशनल और 7 आनेवाले एक्सप्रेस वे, 16 एयरपोर्ट जिसमें 9 ऑपरेशनल और 7 निर्माणाधीन, सबसे बड़ा रेल नेटर्वक, रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम हमारे मजबूत कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर केन्द्रीयकरण को दर्शाता है।

सोशियल वेलफेयर के निदेशक कुमार प्रशांत (आईएएस) ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे यहां पहले सारी नीतियां एकीकृत नीतियां थी इसके उपरांत कुछ ऐसे क्षेत्रों का चयन किया गया जहां पर निवेश के अवसर है, रोजगार सृजन की क्षमता है उनको पहचान कर क्षेत्र आधारित नीतियां तैयार की गई जिससे और अधिक निवेश आकर्षित कर सकें। उन्होनें छात्रों को स्टार्टअप नीतियों के बारे में बताते हुए कहा कि यह हमारे छात्रों के सबसे अधिक लाभदायक है।

गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा (आईएएस) ने कहा कि आज से कुछ समय पहले तक उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य के नाम से जाना जाता था लेकिन आज हम बड़े गर्व से कह सकते है कि हम उत्तर प्रदेश से है। 07 साल पहले हमारा राज्य, भारत की जीडीपी में 8 वें क्रमांक पर आता था लेकिन आज 02 नंबर पर है। पिछले 7 वर्षो में 10 हजार से ज्यादा स्टार्टअप प्रारंभ हुए है जिसमें से 8 यूनिकॉर्न है।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान ने अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि एमिटी हम छात्रों को अपना उद्यम प्रारंभ करके विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते है। युवा शक्ति से विकसित भारत का निर्माण संभव है और एमिटी परिवार, प्रधानमंत्री के विकसित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में सहयोग प्रदान कर रहा है। आज उत्तर प्रदेश विकास के नये आयाम स्थापित कर रहा है और हमे गर्व है कि हम उत्तर प्रदेश का हिस्सा है जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित भारत के उददेश्य को पूरा करने में अग्रणी पायदान पर खड़ा है।

सरस मेला : गुजरात के कलाकारों ने डांडिया कर समा बांधा

नोएडा (चेतना मंच)। सैक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेले में दूसरे दिन शनिवार को भारी संख्या में खरीदारों की भीड़ उमड़ी।

मेले में गुजरात के कलाकारों ने डांडिया करके समां बांध दिया। मेले में आये दर्शक भी इस दौरान खूब झूमे। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा आयोजित इस सरस आजीविका मेला 2024 में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। एनआईआरडीपीआर के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया ने बताया कि सरस मेले में दूसरे दिन केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहायक सचिव चरनजीत सिंह ने यहाँ पहुंचकर मेले का जायजा लिया। श्री सिंह ने सभी राज्यों की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों से उनके कारोबार के विषय में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं को सुना। मेले में शनिवार को विकास विशान्ति तथा ऊषा किरण एनजीओ के करीब 150 बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

स्थानीय स्तर पर भी मेले में इस बार हैंडलूम तथा हैंडीक्राफ्ट के उत्पाद शामिल किए गए है, जो लोगों को आकर्षित कर रहे हैं । बच्चों के खेलकूद व मनोरंजन के लिए भी यहाँ संसाधन मौजूद हैं ।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com